8वीं बोर्ड परीक्षा–2018 हेतु ग्रेड ए–वन परिणाम उन्नयन कार्यक्रम जिला चूरू

विषय – हिन्दी

प्रश्न बैंक व मॉडल प्रश्न पत्र सहित

सर्वश्रेष्ठ संकलन, सर्वश्रेष्ठ सफलता प्राप्ति हेतु

लेखन संकलन व निर्माण

नरेश मारोलिया (प्र.अ.)
रा.उ.प्रा.वि. मघाऊ
राजगढ़

सैनेश सेंगर (अ.)
रा.उ.प्रा.वि. छावरी खारी
रतनगढ़

विनोद कुमार पटीर (अ.)
रा.उ.प्रा.वि. राणासर बीकान
सरदार शहर

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बेटी बचाओ - बेटी पढाओ
Beti Bachao-Beti Padhao

सौजन्य :– जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चूरू व जि.शि.अ.
प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, चूरू (राजस्थान)

प्रारम्भिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण–पत्र परीक्षा हेतू प्रश्न बैंक

कक्षा– 8 (हिन्दी)

प्रश्न 1. 'समर्पण' कविता मे कवि कमर में क्या बाँधना चाहता है ?
उत्तर– ढाल
प्रश्न 2. 'सुभागी' कहानी के रचनाकार है ?
उत्तर– प्रेमचन्द
प्रश्न 3. सुभागी के भाई के नाम था ?
उत्तर– रामू
प्रश्न 4. राव हम्मीर की कार्यस्थली रही है ?
उत्तर– रणथम्भौर
प्रश्न 5. सुदामा चरित पाठ में 'वसुधा' शब्द आया है ?
उत्तर– पृथ्वी के लिए
प्रश्न 6. श्री कृष्ण ने सुदामा को कहाँ बैठाया ?
उत्तर– अपने आसन पर
प्रश्न 7. प्रताप के घोड़ें का रंग कैसा था ?
उत्तर– नीला
प्रश्न 8. अकबर का राणा प्रताप के साथ युद्ध किस स्थान पर हुआ ?
उत्तर– हल्दीघाटी
प्रश्न 9. 'आजादी का सूरज' किसे कहा जाता है ?
उत्तर– महाराणा प्रताप को
प्रश्न10. संत कॅवरराम अपना गुजारा करते थे ?
उत्तर– चने बेचकर
प्रश्न 11. कहाँ सोरठा राम गाने से वर्षा रूक गई ?
उत्तर– कुंभलेमन ग्राम में
प्रश्न 12. संत कॅवरराम का शक्ति परीक्षण किया था ?
उत्तर– जमींदार ने
प्रश्न 13. मीरा ने अपने लिखे पदों में संदेश दिया है ?
उत्तर– भक्ति का
प्रश्न 14. मीराबाई के गुरू कौन थे ?
उत्तर– संत रैदास
प्रश्न 15. निम्न में से सतह से सतह पर मार करने वाला प्रक्षेपास्त्र है ?
उत्तर– पृथ्वी
प्रश्न 16. 'मिसाइल मैन' के नाम से जाने जाते है ?
उत्तर– डॉ. अब्दुल कलाम
प्रश्न 17. गुरूत्वाकर्षण के नियम की खोज की ?
उत्तर– न्यूटन ने
प्रश्न 18. पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल इत्यादि है ?
उत्तर– प्रक्षेपास्त्र
प्रश्न 19. जैसलमेर दुर्ग पर आक्रमण करने वाला शासक था ?
उत्तर– अलाउद्दीन
प्रश्न 20. मर्दानी पोशाक पहन रखी थी ?
उत्तर– रत्नावली ने
प्रश्न 21. सोनार का किला कहा जाता है ?
उत्तर– जैसलमेर का किला
प्रश्न 22. जैसलमेर किले मे बुर्जो की संख्या है ?
उत्तर– 99
प्रश्न 23. सुभाषचन्द्र बोस पत्र लिखते है ?
उत्तर– श्री केलकर को
प्रश्न 24. श्री कृष्ण किस नाम से विख्यात है ?
उत्तर– गोपाल
प्रश्न 25. पंचगव्य किससे प्राप्त होते है ?
उत्तर– गाय से
प्रश्न 26. मनुष्य के लिए कल्याणकारी मार्ग है ?
उत्तर– गो सेवा
प्रश्न 27. किस मुगल सम्राट ने गायों के लिए चारागाह बनवाएँ ?
उत्तर– अकबर ने
प्रश्न 28. सम्राट अशोक ने अपने स्तम्भों पर उत्कीर्ण करवाए ?
उत्तर– सिंह, अश्व, बैल
प्रश्न 29. उर्दू की किस पुस्तक में गाय की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है ?
उत्तर– आइने अकबरी में
प्रश्न 30. कवि गिरधर सब हथियार छोड़कर किसे अपनाने के लिए कहते है ?
उत्तर– लाठी
प्रश्न 31. दौलत पाने पर हमें क्या नहीं करना चाहिए ?
उत्तर– अभिमान

प्रश्न 32. कवि गिरधर ने अपने पदों की रचना किस छंद में की है ?
उत्तर– कुण्डलियाँ
प्रश्न 33. पच्चीस वर्षो की कठोर साधना की ?
उत्तर– श्रीमती टी.सुब्रह्मण्यम् ने
प्रश्न 34. डॉ. चन्द्रा को कितने वर्ष की आयु में पोलियों रोग हुआ था ?
उत्तर– 18 महीने
प्रश्न 35. लखनऊ का छात्र बनना चाहता था ?
उत्तर– आई.ए.एस.
प्रश्न 36. अपराजिता का अर्थ है ?
उत्तर– हार न मानने वाली
प्रश्न 37. डॉ. चन्द्रा का आधा शरीर निर्जीव था ?
उत्तर– पोलियों के कारण
प्रश्न 38. इल्ली की तस्वीर आई ?
उत्तर– अखबार में
प्रश्न 39. बड़े अफसर को कहाँ अच्छा लगा ?
उत्तर– खेतों में
प्रश्न 40. त्राहि–त्राहि करता हुआ कौन आया ?
उत्तर– समुद्र
प्रश्न 41. 'शक्ति और क्षमा' कविता के लेखक है ?
उत्तर– रामधारी सिंह 'दिनकर'
प्रश्न 42. भगवान राम ने समुद्र से रास्ता देने के लिए कितने दिन प्रार्थना की ?
उत्तर– तीन दिन
प्रश्न 43. क्षमा किसको शोभा देती है ?
उत्तर– शक्ति सम्पन्न को
प्रश्न 44. लोगों ने हत्यारिन का आरोप लगाया ?
उत्तर– बिजली पर
प्रश्न 45. जहरीली गैसों के मिलने से कौन रोगों की संवाहक बन जाती है ?
उत्तर– वायु
प्रश्न 46. राणाजी ने सरदारों को कहाँ उपस्थित होने का आदेश दिया ?
उत्तर– उदयपुर
प्रश्न 47. युद्ध–क्षेत्र में कौनसा राग गाया जाता है ?
उत्तर– सिन्धु राग
प्रश्न 48. माँजी को चिन्ता थी ?
उत्तर– ठाकुर सा. की
प्रश्न 49. युद्ध भूमि में मर्दाना वेश किस महिला ने धारण किया ?
उत्तर– हाडी रानी ने
प्रश्न 50. 'हूंकार की कलंगी' नामक लोककथा लिखी ?
उत्तर– लक्ष्मी कुमारी चूंडावत ने

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 1. कवि 'समर्पण' कविता में बन्धन तोडने की बात क्यों कहते है ?
उत्तर– देश की सेवा करने के लिए तथा जरूरत पड़ने पर देश पर बलिदान होने के लिए कवि सभी प्रकार के रिश्तों–नातों के बन्धन तोड़ने की बात कहते है।

प्रश्न 2. पुत्र और पुत्री के लिए तुलसी महतो की क्या सोच थी ?
उत्तर– पुत्र को वे अनमोल रत्न मानते थे और पुत्री को पूर्वजन्मों के किए कर्मो का ईश्वर का दण्ड।

प्रश्न 3. तुलसी महतों के कितने बच्चे थे ?
उत्तर– तुलसी महतों के दो बच्चे थे। पुत्री का नाम सुभागी और पुत्र का नाम रामू था।

प्रश्न 4. बत्तीस खंभों की छतरी किसके शासन काल में निर्मित हुई थी ?
उत्तर– बत्तीस खंभों की छतरी 'राव हम्मीर' के शासनकाल में निर्मित हुई थी।

प्रश्न 5. रणथंभौर में कौनसे तालाब थे ?
उत्तर– रणथंभौर में 'पद्माला' और 'रानीहौद' नामक तालाब थे। इनमें 'पद्माला' बायीं और एवं 'रानीहौद' दायीं और स्थित है।

प्रश्न 6. मेवाड़ के किस शासक का नाम इतिहास में अमर हो गया ?
उत्तर– राणा प्रताप मेवाड़ के ऐसे शासक थे जिनका नाम इतिहास में अमर हो गया।

प्रश्न 7. संत कॅवरराम ने अपना सम्पूर्ण जीवन किस काम में लगा दिया ?
उत्तर– संत कॅवरराम ने अपना सम्पूर्ण जीवन गरीबों, अपाहिजों एवं विधवाओं की सेवा में लगा दिया।

प्रश्न 8. संत कॅवरराम अपनी मधुरवाणी व भजनों से जन–जन को क्या संदेश देते थे ?

उत्तर– संत कॅवरराम अपनी मधुरवाणी व भजनों से जन–जन में प्रेम–भक्ति का संदेश देते थे।

प्रश्न 9. श्रीकृष्ण के अधरों से अमृत कैसे बरसता है ?

उत्तर– जब श्रीकृष्ण मुरली बजाते है। तो उनकी मुरली की मधुर ध्वनि ही अमृत बरसने के समान है।

प्रश्न 10. अब्दुल कलाम ने किस विषय का अध्ययन किया ?

उत्तर– अब्दुल कलाम ने भौतिक विज्ञान विषय का अध्ययन किया।

प्रश्न 11. दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कितने प्रकार के कार्यक्रम आवश्यक हैं ?

उत्तर– तीन प्रकार के कार्यक्रम – सम्पर्क, प्रसारण और उत्पादन।

प्रश्न 12. राजकुमारी के सम्मुख उनके पिता के सन्देश वाहक के रूप में कौन आया था ?

उत्तर– राजकुमारी के सम्मुख उनके पिता के सन्देश वाहक के रूप में यवन सैनिक आया था, जो छलपूर्वक दुर्ग में घुसना चाहता था।

प्रश्न 13. मलिक काफूर ने किसे और क्या रिश्वत दी थी?

उत्तर– मलिक काफूर ने द्वारपाल को सोने के सिक्के रिश्वत में दिए।

प्रश्न 14. लोकमान्य तिलक के कारावास काल का अधिकांश समय कौनसी जेल में गुजारा ?

उत्तर– लोकमान्य तिलक के कारावास का अधिकांश समय माँडल जेल में गुजरा था।

प्रश्न 15. वेदों में गाय को किस अर्थ में स्वीकारा गया है?

उत्तर– वेदों में गाय को 'विश्व गुरू' के रूप में तथा सर्वोपरिधन के रूप में स्वीकारा गया है।

प्रश्न 16. डॉ. चन्द्रा के शरीर का कौनसा भाग पोलियो रोग से ग्रसित था ?

उत्तर– डॉ. चन्द्रा के शरीर का गर्दन से नीचे का भाग पोलियो से ग्रसित था।

प्रश्न 17. ग्राम–जीवन पर लिखी कविता को बड़े अफसर ने कब पढा था ?

उत्तर– ग्राम–जीवन पर लिखी कविता को बड़े अफसर ने आठवीं कक्षा में पढ़ा था।

प्रश्न 18. चने के खेत में इल्ली किस कारण लग गई थी ?

उत्तर– चने के खेत में इल्ली बारिश होने तथा ठण्ड पड़ने के कारण लग गई थी।

प्रश्न 19. "पर नर–व्याघ्र, सुयोधन तुमसे कहो कहाँ कब हारा।" यह बात किसने किससे कही ?

उत्तर– उपर्युक्त पंक्तियाँ भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर से कहीं।

प्रश्न 20. क्षमा किसे शोभा नहीं देती ?

उत्तर– क्षमा शक्तिहीन को शोभा नहीं देती।

प्रश्न 21. 'चरण पूज, दासता ग्रहण की।' पंक्ति में किसने किसकी दासता ग्रहण की ?

उत्तर– समुद्र ने श्रीराम की दासता ग्रहण की।

प्रश्न 22. वायु रोगों की संवाहक कैसे बन जाती है ?

उत्तर– जब कारखानों से गन्दी गैस व अपशिष्ट पदार्थ निकलकर वायु में मिल जाते हैं, तो वायु जहरीली होकर रोगों की संवाहक बन जाती है।

प्रश्न 23. पानी का गन्दा या दूषित होना क्या कहलाता है ?

उत्तर– पानी का गन्दा या दूषित होना जल प्रदूषण कहलाता हैं।

प्रश्न 24. किस कारखाने की जहरीली गैस ने लोगों को मौत के घाट उतार दिया ?

उत्तर– भोपाल के एक कारखाने की जहरीली गैस ने लोगो को मौत के घाट उतार दिया।

प्रश्न 25. युद्ध–क्षेत्र में कौनसा राग गाया जा रहा था ?

उत्तर– युद्ध–क्षेत्र में 'सिन्धु राग' गाया जा रहा था।

प्रश्न 26. देश पराधीन कब तक नहीं हो सकता?

उत्तर– जब तक कोसीथल की ठकुराइन जैसी वीर और साहसी माताएँ इस देश में हैं, तब तक देश पराधीन नहीं हो सकता।

प्रश्न 27. महाराणा ने सरदारों को कहाँ हाजिर होने के लिए कहा ?

उत्तर– महाराणा ने सरदारों को उदयपुर हाजिर होने के लिए कहा।

प्रश्न 28. युद्ध में घायल महिला को देखकर राणाजी ने क्या पूछा ?

उत्तर– युद्ध में घायल महिला को देखकर राणाजी ने उनसे उनका नाम और ठिकाना पूछा।

प्रश्न 29. युद्ध–क्षेत्र में चूंडावतों का मुखिया कौन था ?

उत्तर– युद्ध–क्षेत्र में चूंडावतो का मुखिया सलूम्बर था।

प्रश्न 30. 'हूंकार की कलंगी' पाठ किस भाषा में हैं ?

उत्तर– 'हूंकार की कलंगी' पाठ राजस्थानी भाषा में हैं

प्रश्न 31. डॉ. चन्द्रा ने कौन–कौनसी उपाधियाँ प्राप्त की थी ?

उत्तर– डॉ. चन्द्रा ने बी.एस.सी, प्राणिशास्त्र में एम. एस.सी. तथा माइक्रोबायोलॉजी में पी.एच.डी. की उपाधियाँ प्राप्त की थी।

प्रश्न 32. क्या कारण है कि लेखक घोड़े के खुर देखकर आश्चर्यचकित रह गया ?

उत्तर– लेखक घोड़े के खुर देखकर इसलिए आश्चर्यचकित रह गया क्योंकि हम्मीर को लेकर जहाँ से घोड़ा सीधे दुर्ग पर चढ़ा था वो दुर्ग की दीवार बिल्कुल सीधी थी, और इतनी दूर से घोड़े का एक बार में छलाँग लगाना असंभव–सी बात थी।

प्रश्न 33. राजा हम्मीर कौन थे ?

उत्तर– चौहान वंश के शासक जैत्रसिंह के छोटे बेटे राजा हम्मीर थे। वे प्रतापी और शरणागतवत्सल राजा थे। अलाउद्दीन खिलजी के भगोड़े सैनिक महिमशाह को शरण भी राजा हम्मीर ने ही दी थी, और महिमशाह की रक्षा हम्मीर ने मरते दम तक की थी।

प्रश्न 34. 'अधर सुधा रस मुरली राजति, उर बैजंती माल।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– श्री कृष्ण के अधरों पर अमृत के समान मधुर व आनन्ददायी मुरली शोभायमान है तथा हृदय पर बैजन्ती माला सुशोभित है जो बहुत सुन्दर लग रही है।

प्रश्न 35. संत कॅवरराम का स्वभाव और व्यवहार कैसा था ?

उत्तर– संत कॅवरराम का स्वाभाव सादा, सरल, सहज, विनम्र और संत प्रवृति का था। उनके व्यवहार में ईश्वर भक्ति और ईश्वर समर्पण था। उनके इसी स्वभाव व व्यवहार के कारण उनका नाम बड़े आदर और श्रद्धा से लिया जाता है।

प्रश्न 36. गोमूत्र के औषधीय उपयोग से ठीक होने वाले रोगों के नाम लिखिए ?

उत्तर– पेट के कीड़े, हृदय रोग, जलोदर, कैंसर, व बवासीर के रोगी गोमूत्र के औषधीय उपयोग से ठीक हो सकते है।

प्रश्न 37. हीरा किस बात से पछताने लगा ?

उत्तर– हीरा सोच रहा है कि वह कैसी जगह तथा किन लोगों के बीच आ गया है। जहाँ उसके गुणों का कोई मोल तथा कोई महत्तव नहीं है। उसमें बीच में छेद करके लोग अपनी कमर में बाँध रहे है। अपना इस प्रकार का अनादर होते देख हीरा पछता रहा है।

प्रश्न 38. वर्षा कम होने के दो कारण लिखिए ?

उत्तर– वर्षा के कम होने के दो कारण निम्न है–
1. लोगों के द्वारा पहाड़ियों को काटकर मैदान बना देना। 2. वृक्षों की कटाई कर वनों को नष्ट कर देना।

लघुतरात्मक प्रश्न–

प्रश्न 1. 'हमारी भी सुनो' पाठ में वर्णित जनता की शिकायतों का वर्णन कीजिए।

उत्तर– 'हमारी भी सुनो' एकांकी पाठ में जनता ने जल, हवा और बिजली के विरूद्ध महाराजा से शिकायत की थी। पानी से जनता को शिकायत है कि वह अब निर्मल नहीं रहा। वह अपने साथ गंदगी बहा कर दूर–दूर तक फेलाता है। साथ ही यह कहीं बरसता है, कहीं नहीं बरसता है। इसके साथ ही यह अनुशासनहीन हो गया है और बाढ़ लाता है। वायु से जनता को शिकायत है कि अब सुगंध की जगह दुर्गन्ध फेलाती है। यह आँधी बन कर आती है और साफ–सुथरे घरों को गन्दा कर देती है। आँखों में मिट्टी डाल देती है। बिजली से जनता को

शिकायत है कि यह बार–बार चली जाती है जिससे अंधेरा हो जाता है। इसकी शक्ति भी अनियंत्रित रहती है। यह कभी तेज होकर फ्यूज उड़ा देती है और कभी इसके वोल्टेज इतने कम हो जाते हैं जिससे पंखा, कूलर और मोटर भी नहीं चलते। यह हत्यारिन भी है। प्रतिदिन न जाने कितने पक्षी, मनुष्य और पशु इसके करंट से मर जाते हैं।

प्रश्न 2. ''सुभागी स्वाभिमानी और स्वावलंबी पात्र के रूप में दिखाई देती हैं।'' सिद्ध कीजिए।

उत्तर– सुभागी तुलसी महतो की पुत्री थी। उसका विवाह छोटी उम्र में हो गया था पर वह विधवा हो गयी थी। लेकिन उसने दूसरा विवाह नहीं किया था। वह घर का सारा काम–काज करती और माँ–बाप की सेवा भी करती थी। वह किसी के सहारे नहीं जीती थी। इस कारण उसका भाई रामू उसके व्यवहार से जलता था। परिणामस्वरूप एक दिन वह झगड़ाा करके माँ–बाप से अलग हो गया। कुछ दिन बाद तुलसी महतो की मृत्यु हो गयी और उनके वियोग में उनकी पत्नी भी चल बसी। बाप की तेरहवीं में सुभागी ने मुखिया सज्जन सिंह से उधार लिए रूपयों को रात–दिन परिश्रम करके चुकाया। इस प्रकार सुभागी कहानी में स्वाभिमानी और स्वावलम्बी पात्र के रूप में दिखाई देती है।

प्रश्न 3. 'कुंडलियाँ' छंद में लाठी को उपयोगी बताया है। कैसे? कोई चार तर्क दीजिए।

उत्तर– 'कुंडलियाँ' छंद में लाठी को उपयोगी सिद्ध करने के लिए चार तर्क निम्नलिखित हैं– (1) रास्ते में नदी–नाला पार करते समय लाठी सहायता देती है। (2) रास्ते में जहाँ कुत्ते झपट पड़ें, काटने आये तो उन्हें लाठी से मारकर भगाया जा सकता है। (3) यदि कोई शत्रु और लम्पट–लुटेरा मिल जावे तो लाठी उसका सामना करने में काम आती है। (4) बुढ़ापा आने पर लाठी सहारे के लिए उपयोगी रहती है।

प्रश्न 4. ''विषहीन, विनीत और सरल साँप द्वारा प्रदत्त क्षमा निरर्थक है।' 'शक्ति और क्षमा' कविता के आधार पर समीक्षा कीजिए।

उत्तर– ऐसी क्षमा पराक्रम से रहित होने से निरर्थक रहती है। जब शत्रु का सामना करने की या उसे दण्डित करने की शक्ति ही नहीं है, तो फिर उसे क्षमा करना भी केवल दिखावा है। ऐसी क्षमा की कोई कद्र नहीं होती है।

प्रश्न 5. इन शब्दों का प्रयोग कर एक–एक सार्थक वाक्य बनाइए–

(अ) खुशहाली (ब) उज्जवल (स) निर्माण (द) विज्ञान

उत्तर– (अ) खुशहाली – सुभागी के परिश्रम से परिवार में खुशहाली छा गई।

(ब) उज्जवल – परिश्रम से व्यक्ति का भविष्य उज्ज्वल बनता है।

(स) निर्माण – कॉलोनी में चिकित्सा–भवन का निर्माण हो रहा है।

(द) विज्ञान – आज का युग विज्ञान का युग है।

प्रश्न 6. विद्यालय परिसर को हम किस प्रकार साफ रख सकते हैं?

उत्तर– विद्यालय परिसर को साफ रखने के लिए हमें निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए–

(1) विद्यालय परिसर में बने शौचालय व पेशाबघरों की नियमित सफाई का ध्यान रखना चाहिए।

(2) विद्यालय परिसर में खाने–पीने की वस्तुएँ, खाली रैपर आदि व कागजों को फाड़कर नहीं फेंकना चाहिए।

(3) नियमित रूप से परिसर की सफाई का ध्यान रखना चाहिए।

(4) पूरे विद्यालय परिसर में कहीं भी भूककर गंदगी नहीं फेलानी चाहिए।

(5) पेड़–पौधों से गिरी पत्तियों–फूलों को इकट्ठा करके निश्चित स्थान पर डालना चाहिए।

(6) विद्यालय परिसर में कुछ निर्धारित स्थानों पर कचरा–पात्र (डस्ट–बिन) रखे जाने चाहिए जिससे कचरा वहाँ डाला जा सके।

प्रश्न 7. सड़क यातायात सुरक्षा संबंधी कोई दो स्लोगन(नारे) बनाइए।

उत्तर– सड़क यातायात सुरक्षा संबंधी कोई दो स्लोगन(नारे) निम्नलिखित हो सकते हैं–

(1) दुर्घटना से अपनी कीजिए रक्षा, तभी होगी परिवार की सुरक्षा।

(2) सड़क दुर्घटना से यदि है बचना तो हेलमेट अवश्य पहनना।

प्रश्न 8. प्रताप को मातृभूमि का रखवाला बताया गया है। क्यों ?

उत्तर– प्रताप ने मुगल शासक अकबर की विशाल सेना को पराजित करके अपनी मातृभूमि मेवाड़ की रक्षा की। इसीलिए प्रताप को मातृभूमि का रखवाला बताया गया है। उन्होनें अपना सम्पूर्ण जीवन अपनी मातृभूमि के लिए समर्पित कर दिया था।

प्रश्न 9. 'धरती जागी, आकाश जगा, वह जागा, तो मेवाड़ जगा।' उक्त पंक्तियों का अर्थ बताइए ?

उत्तर– महाराणा प्रताप अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए जाग चुके है, अर्थात् सचेत हो चूके हैं, और उनके जागने के साथ सम्पूर्ण मेवाड़ की धरती, आकाश और मेवाड़ की सारी जनता भी जाग उठी। अर्थात् ये सभी स्वतन्त्रता के अभियान में प्रताप का साथ देने के लिए तैयार हो गए।

प्रश्न 10. सुदामा की वेशभूषा कैसी थी ?

उत्तर– सुदामा की वेशभूषा अत्यन्त दीन–हीन थी। उसके सिर पर न तो पगड़ी थी और न ही उसके तन पर जामा था। सुदामा की धोती भी फटी पुरानी थी। इसके आलावा उनका दुपट्टा भी तार–तार हो रहा था। इस प्रकार सुदामा की वेशभूषा से उनकी निर्धनता झलक रही थी।

प्रश्न 11. महाराणा प्रताप के गुणों का वर्णन कीजिए ?

उत्तर– महाराणा प्रताप गुणों की खान थे। वे सत्य के रास्ते पर चलने वाले, सत्य को पूरा करने वाले, तेजस्वी, महान्, गुणवान, शक्तिमान, धरती का गौरव, अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए महान कठोर व्रत को धारण करने वाले महानायक थे।

प्रश्न 12. अब्दुल कलाम ने भारत के भावी कर्णधारों के लिए क्या संदेश दिया है ?

उत्तर– देश के किसी भी युवक को घबराने की आवश्यकता नहीं है, अपने लक्ष्य निर्धारित रखों, समय बहुमूल्य हैं, सदाचारी बनो एवं आत्मविश्वास बनाए रखो।

प्रश्न 13. डॉ. कलाम के जन्म दिन को किस रूप में मनाया जाता हैं ?

उत्तर– डॉ. कलाम के 79 वें जन्म दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया था। आज उनका जन्म दिन 15 अक्टूबर को विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे सदैव भारतीय विद्यार्थियों के प्रेरणास्त्रोत रहे है।

प्रश्न 14. मॉडले जेल में लोकमान्य तिलक को किस चीज का कष्ट अधिक था ?

उत्तर– मॉडले जेल में लोकमान्य तिलक जिस वार्ड में रहतें थें, वह वार्ड लकड़ी के तख्तों से बना था। जिससे गर्मी की लू, धूप, वर्षा का पानी, शीतऋतु में ठण्ड तथा धूलभरी आँधियों से उन्हें बड़ा कष्ट होता था।

प्रश्न 15. राणा जी की आँखों से करूणा एवं गर्व के आँसूं क्यों छलक पड़े ?

उत्तर– राणा जी को जब इस बात का पता चला कि उनके आदेश का पालन करते हुए एक माँ अपने पुत्र की इज्जत और जागीर को बचाने के लिए युद्ध–क्षेत्र में युद्ध करने पहुँच गई तो राणाजी की आँखों से करूणा एवं गर्व के आँसू छलक पड़े।

प्रश्न 16. यातायात के नियमों का पालन करना क्यों आवश्यक है ?

उत्तर– यातायात के नियमों का पालन करके सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखना हम सभी का दायित्व है, क्योंकि छोटी सी गलती हो जाने के कारण भी दुर्घटना हो सकती है। यातायात के नियमों के पालन के अभाव में किसी की भी जान जा सकती है। जिसका खामियाजा परिवार के लोगों को भुगतना पड़ता है। इसके साथ ही यातायात के नियमों का पालन करके हम ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात पा सकते है।

प्रश्न 17. सड़क दुर्घटना के प्रमुख कारण क्या है ? लिखिए।

उत्तर– सड़क दुर्घटना के प्रमुख कारण निम्नलिखित है–

1. लोगों का सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक न होना।
2. यातायात के चिन्हों पर ध्यान न देना।

3. गाड़ी चलाते समय सतर्क न रहना, रेडियों सुनना, मोबाइल पर बात करना।
4. गाड़ी में लगें शीशों का उपयोग न करना।
5. वयस्क होने से पहले ही गाड़ी चलाना।

प्रश्न 18. गाड़ी चलाते समय सीट की पेटी (बैल्ट) बाँधना अनिवार्य क्यों है ? समझाइए।

उत्तर– सीट की पेटी बाँधने से गाड़ी चालक और सामने बैठने वाला व्यक्ति दोनों सुरक्षित रहते है। अतः सीट बैल्ट बाँधना अनिवार्य है।यह कानूनन भी अनिवार्य है अन्यथा जुर्माना हो सकता है।

प्रश्न 19. सड़क पर चलते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

उत्तर– सड़क पर चलते समय हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए –

1. सड़क पर हमेशा बाएँ और चलना चाहिए।
2. सड़क पार करते समय पैदल पार पथ का उपयोग करना चाहिए।
3. यातायात चिन्हों का ध्यान रखना चाहिए।
4. चौराहे पर लगी बत्तियों को देखकर, उनका पालन करना चाहिए।
5. सड़क पार करते समय मोबाइल पर बात नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 20. 'मृत्युभोज सामाजिक कुरीति है।' हमारे समाज में ऐसी अनेक कुरीतियाँ है। किन्हीं दो कुरीतियों का वर्णन कीजिए।

उत्तर– हमारे समाज में अनेक कुरीतियाँ है। उनमें से दो कुरीतियाँ इस प्रकार हैं–

(1) बाल–विवाह– बाल–विवाह हमारे समाज की एक ऐसी कुरीति है जिसमें बँधकर लड़का और लड़की दोनों ही अपने जीवन को बरबाद कर लेते हैं। बचपन में ही उनका विवाह हो जाने के कारण वे न तो विवाह का अर्थ समझ पाते है और न ही जीवन को सफल बना पाते हैं परिणामस्वरूप उनका जीवन नरक बन जाता है।

(2) दहेज–प्रथा– दहेज–प्रथा हमारे समाज के लिए कलंक है। यह ऐसी कुरीति है जो धन–हीन पिता की पुत्री को निराशा के घेर में घेर कर उसके जीवन को अंधकारमय बना देती है। पिता धन की कमी के कारण अपनी बेटी के विवाह के लिए धन नहीं जुटा पाता है। यह चिन्ता से परेशान रहने लगता है।

प्रश्न 21. संत कंवरराम की हर काम में क्या प्राथमिकता रहती थी? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– सन्त कँवराराम अपने समस्त कार्यो को केवल उपदेशों तक सीमित नहीं रखते थे, बल्कि अपने हाथ सारे काम करना उनकी प्राथमिकता रहती थी। वे भंडारे का काम स्वयं कर लेते थे। रहड़की में दरबार की सेवा का काम करने में उन्होंने हाथ बँटाया था और गारे की तगारी स्वयं उठाकर काम करने लगे थे। वे ऐसे काम को परमात्मा की सच्ची सेवा मानते थे।

पाठ्य पुस्तक से पर्यायवाची शब्द

1. **राजा–** भूप, नरेश, नृपति, महीप,
2. **संसार**– भव, जग, दुनिया, विश्व, लोक
3. **सुमन**– फूल, कुसुम, पुहुप, प्रसून
4. **वृक्ष**– पेड़, तरू, द्रुम, शाखी, तरूवर
5. **जल**– पानी, नीर, वारि, तोय
6. **अश्व**– घोड़ा, तुरंग, बाजि, हय, घोटक
7. **आँख**– नेत्र, नयन, लोचन, चक्षु
8. **सूर्य**– रवि, भानु, दिनकर, सूरज
9. **चन्द्रमा**– शशि, इन्दु, सोम, सुधाकर
10. **बालक**– शिशु, बाल, बालक
11. **सर्प–** नाग, भुजंग, विषधर, अहि
12. **आकाश**– नभ, गगन, अम्बर, व्योम
13. **उपवन**– बाग, बगीचा, उद्यान
14. **बादल**– मेघ, घन, जलद, नीरद
15 **कमल**– पंकज, नीरज, जलज, सरोज
16. **अग्नि–** अनल, पावक, आग, कृशानु
17. **तलवार**– खड्म, असि, कृपाण, करवाल
18. **गृह**– घर, सदन, भवन, आलय
19. **रात**– निशा, रात्रि, रजनी
20. **पुत्र–** सुत, तनय, आत्मज, बेटा

पाठ्य पुस्तक से विलोम शब्द

1. अचल–चल	2. अपमान–सम्मान	3. अरूचि–रूचि
4. अनाथ–सनाथ	5. अस्त–उदय	6. जल–थल
7. दुर्जन–सज्जन	8. मानव–दानव	9. आदान–प्रदान
10. आयात–निर्यात	11. कटु–मधुर	12. जड़–चेतन
13. दयालु–निर्दय	14. लोक–परलोक	15. सजीव–निर्जीव
16. आय–व्यय	17. निरर्थक–सार्थक	18. उत्थान–पतन
19. मित्र–शत्रु	20. यश–अपयश	21. कोमल–कठोर
22. कृतज्ञ–कृतध्न	23. जीवन–मरण	24. अनुचित–उचित
25. मौखिक–लिखित	26. अनुकूल–प्रतिकूल	27. अनुरक्त–विरक्त
28. अग्र–पश्च	29. अर्थ–अनर्थ	30. परतन्त्र–स्वतंत्र

पाठ्यपुस्तक के गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(1)

विज्ञान हमें एक विशेष दृष्टि प्रदान करता है। जिससे हमारी मानसिक अनिश्चिता समाप्त हो जाती है यह दृष्टिकोण हमें समस्याओं को सुलझाने की शक्ति प्रदान करता है। हम यह चाहने लगते है कि उस समस्या को सुलझाएँ जिसे किसी ने अब तक न सुलझाया हो। इसीलिए न्यूटन के गुरूत्वाकर्षण सिद्धान्त की खोज, आईन्सटीन की रिलेटिविटी थ्योरी, स्टीफन हॉकिंस की स्ट्रींग थ्योरी, सी.वी.रमण जिन्हें नोबेल पुरस्कार मिला, उनके बारें में पढ़ना हमें अच्छा लगता है।

1. विज्ञान हमें कैसी दृष्टि प्रदान करता है ?
2. वैज्ञानिक दृष्टिकोण हमें कैसी शक्ति प्रदान करता है ?
3. गुरूत्वाकर्षण सिद्धान्त की खोज किसने की ?
4. नोबेल पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया ?

(2)

मैं नहीं जानता कि आपको मालूम है या नहीं कि मैं यहाँ गत जनवरी से कारावास में हूँ। जब बरहामपुर जेल (बंगाल) से मुझे मॉडले जेल के लिए स्थानांतरण का आदेश मिला था। तब मुझे यह स्मरण नहीं आया था कि लोकमान्य तिलक ने अपने कारावास काल का अधिकांश भाग मॉडले जेल में ही गुजारा था। इस चार दीवारी में यहाँ के बहुत ही हतोत्साहित कर देने वाले परिवेश में स्वर्गीय लोकमान्य ने अपनी सुप्रसिद्ध 'गीता भाष्य' ग्रंथ का प्रणयन किया था, जिसने मेरी नम्र राय में उन्हें 'शंकर' और 'रामानुज' जैसे प्रकांड भाष्यकारों की श्रेणी में स्थापित कर दिया है।

1. सुभाषचन्द्र बोस को बरहामपुर जेल से कहाँ स्थानांतरण का आदेश मिला था ?
2. वे उस कारावास में कब से थे ?
3. लोकमान्य तिलक ने अपने कारावास का अधिकांश भाग किस जेल में गुजारा था ?
4. लोकमान्य द्वारा रचित ग्रंथ कौनसा है ?

(3)

रत्न सिंह ने पुत्री के कंधे पर हाथ धर कर कहा– ''बेटी तुझसे मुझें ऐसी ही आशा है, मै दुर्ग को तुझे सौंपकर निश्चित हो रहा हूँ। देखना सावधान रहना शत्रु केवल वीर ही नही धूर्त व छलिया भी है।'' बालिका ने वक्र दृष्टि से पिता को देखा और हँसकर कहा,''नहीं पिताजी, आप निश्चित होकर प्रस्थान करें। किले का बाल भी बाँका नहीं होगा।'' गगनभेवी जय निनाद से धरती–आसमान काँप उठे। एक विशालकाय अजगर की भाँति सेना किले के फाटक से निकलकर पर्वत की उपत्यका में विलीन हो गई।

1. राजा रत्न सिंह ने दुर्ग की रक्षा का भार किस सौंपा ?
2. रत्न सिंह ने अपनी वीर पुत्री से क्या कहा ?
3. वीर पुत्री ने किले की रक्षा का वचन देते हुए पिता से क्या कहा ?
4. धरती–आसमान क्यों काँप उठे ?

(4)

मेरी बड़ी इच्छा थी, मैं डॉक्टर बनूँ। मैं अपंग डॉ. मेरी वर्गीज के सफल जीवन की कहानी पढ़ चुकी हूँ। परीक्षा मे सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर भी मुझे मेडिकल में प्रवेश नही मिला। कहा गया मेरा निचला धड़ निर्जीव है, अतः मैं कभी सफल शल्य चिकित्सक नहीं बन पाऊँगी। ''किन्तु डॉ. चन्द्रा को प्रोफेसर के शब्दों में,'' मुझे यह कहने में रंचमात्र भी हिचकिचाहट नहीं होती कि डॉ. चन्द्रा ने विज्ञान की प्रगति में महान् योगदान दिया है। चिकित्सा ने जो खोजा है, वह विज्ञान ने पाया है।

1. चन्द्रा की बड़े होकर क्या बनने की इच्छा थी ?
2. चन्द्रा किसकी कहानी को पढ़कर प्रेरित हुई ?
3. चन्द्रा को परीक्षा मे सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर भी मेडिकल में प्रवेश क्यों नहीं मिला ?
4. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–
5. (चिकित्सा ने जो खोजा है, ...पाया है।)

(5)

बिजली–माचिस से चूल्हे में आग जलाई जाए या दीपक जलाया जाए तो वह उपयोगी है। यदि उससे कोई अपना हाथ जलाएगा तो उसका दोष दियासलाई को जाएगा या जलाने वाले को ? इन लोगों ने वृक्षों को काटकर पक्षियों के घर उजाड़ दिए है। उनके बैठने के स्थान छीन लिए। उड़ते–उड़ते थककर विश्राम के लिए बिजली के तारों पर बैंठ जाते है। कभी–कभी मौत के शिकार हो जाते है। इंसान स्वयं असावधानी बरतता है और पशुओं को भी नियन्त्रण में नही रखता तभी दुर्घटना होती है। इसमें मेरा क्या कसूर है ?

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ?
2. बिजली–माचिस कब उपयोगी है ?
3. लोगों ने पक्षियों के घर कैसे उजाड़ दिए है ?
4. दुर्घटना कब होती है ?

पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या :– 8 अंक व्याख्या प्रश्न

निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–

(1)

मन समर्पित तन समर्पित, और यह जीवन समर्पित।
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।।

सन्दर्भ एवं प्रसंगः– प्रस्तुत पद्यांश 'समर्पण' कविता से लिया गया है।
इसके रचयिता 'रामावतार त्यागी' हैं। प्रस्तुत कवितांश के माध्यम से बताया गया है कि इस देश की धरती पर कवि सब कुछ न्योछावर करना चाहता है तथा स्वयं की देशभक्ति की भावनाओं को उजागर करता है।

व्याख्याः– कवि देशभक्त का प्रतिनिधित्व करते हुए कहते हैं कि हे मेरे भारत देश की धरती तुम्हारे ऊपर ये सभी देशभक्त तथा मैं हमारा मन तथा शरीर समर्पित करते हैं। इसके अलावा हम और भी बहुत कुछ कर्मो को अर्पण करना चाहते हैं।

विशेष– (1) देश भक्ति का भाव प्रकट हुआ है।

(2) सरल शब्दावली का प्रयोग हुआ है।

(2)

सीस पगा न झगा तन पै प्रभु,
जाने को आहि, बसै केहि ग्रामा।
धोती फटी–सी लटी दुपटी अरू,
पाँव उपानहुँ की नहीं सामा।
द्वार खड़ो दि्वज दुर्बल एक,
रह्यो चकि सो वसुधा अभिरामा।
पूछत दीनदयाल को धाम,
बतावत आपनों राम सुदामा।।

सन्दर्भ एवं प्रसंगः– प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक हिन्दी में संकलित पाठ 'सुदामा चरित' से लिया गया है। इसके रचयिता 'नरोत्म दास' सुदामा अपनी पत्नी के बार–बार कहने पर वे एक दिन श्री कृष्ण से मिलने के लिए उनके महल जाते हैं। वहाँ द्वारपाल उन्हें द्वार पर रोककर श्री कृष्ण के पास जाता है और सुदामा के बारे में बताता है।

व्याख्याः– सुदामा जब द्वारिका महल में पहुँच गया तो द्वारपाल उसे द्वार पर ही रोक लेता है, परन्तु सुदामा के बार–बार निवेदन करने पर द्वारपाल महल के अन्दर जाकर श्री कृष्ण से कहता है कि हे प्रभु! एक दीन–हिन ब्राह्मण आया है, जिसके सिर पर न तो पगड़ी है और न ही शरीर पर झगा (कुर्ता) है। जाने कौन है? कहाँ से आया है? फटी धोती है और उसका दुपट्टा भी तार–तार हो रहा है। पैर में जूते तक नहीं है। वह दीन दुर्बल ब्राह्मण द्वार पर खड़ा है तथा आश्चर्यचकित होकर द्वारिका की सुन्दर भूमि को निहार रहा है। हे दीनदयाल! वह आपके बारे में पूछ रहा है और अपना नाम सुदामा बता रहा है।

विशेष– (1) सुदामा की दीन दशा का बड़ा मार्मिक वर्णन है।
(2) ब्रज भाषा का प्रयोग किया गया है।

(3)

थे कई प्रलोभन, झुका नहीं
आँधी पूफां में रूका नहीं,
आजादी का ऐसा सूरज,
उजियारा जिसका चुका नहीं।
वह नीले घोड़े का सवार
वह हल्दीघाटी का जुझार
वह इतिहासों का अमर पृष्ठ
मेवाड़ शौर्य का वह अंगार।

संदर्भ एवं प्रसंगः–प्रस्तुत पद्यांश हमारी हिन्दी की पाठ्यपुस्तक में संकलित पाठ 'महाराणा प्रताप' से लिया गया है। इसमें राणा प्रताप के आत्म सम्मान तथा दुश्मनों के समझ न झुकने के गुणों का वर्णन किया गया है।

व्याख्याः–कवि कह रहा है कि मुगल सम्राट अकबर ने बहुत लालच और प्रलोभन दिए कि किसी भी तरह महाराणा प्रताप उनकी अधिनता स्वीकार कर ले, परन्तु महाराणा प्रताप नहीं झुके। उनके स्वयं के अन्दर आजादी की वह रोशनी थी जो सूर्य के समान तेजस्वी थी। उन्होंने यह चमक कभी कम नहीं होने दी। महाराणा प्रताप ने नीले घोड़े पर सवार होकर हल्दीघाटी के मैदान में जो युद्ध किया था, उस युद्ध की कहानी इतिहास के पन्नों में अमर हो गई। इस प्रकार महाराणा प्रताप वीरता के जलते हुए अंगार थे।

विशेष– (1) यहाँ महाराणा प्रताप की देशभक्ति का उत्तम वर्णन है।
(2) शब्दावली सरल है।

(4)

बसो मेरे नैनन में नन्दलाल।
मोर मुकुट मकराकृत कुण्डल, अरून तिलक सोहे भाल।।
मोहनि मूरति, साँवरि सूरति, नैंना बने बिसाल।
अधर–सुधा–रस मुरली राजति, उर बैजंती माल।।
छुद्र घंटिका कटि–तट सोभित, नूपुर सबद रसाल।
'मीरा' प्रभु संतन सुखदाई, भगत बछल गोपाल।।

संदर्भ एवं प्रसंगः–प्रस्तुत पद्यांश मीरां द्वारा रचित 'भक्ति पदावली' से लिया गया है। यहाँ मीरा अपने आराध्य देव भगवान श्री कृष्ण की रूप माधुरी को अपने हृदय मे बसाने का निवेदन करती है।

व्याख्याः– मीरां बाई भगवान श्री कृष्ण से विनती करत हुए कहती हैं कि हे नन्द के पुत्र! आप मेरे नेत्रों में सदा निवास करें। मेरे नेत्र आपके लिए निरन्तर तरसते रहते हैं। आपने मोर पंख से बना मुकुट धारण कर रखा है, मछली के आकार के कुण्डल तथा ललाट पर लाल तिलक शोभा बढ़ा रहा है। आपकी सुन्दर श्याम रंग की सूरत पर दो बड़े नेत्र शोभा दे रहें है। आपके अधरों पर अमृत के समान वर्षा करने वाली मुरली शोभायमान है। हृदय पर वैजयंती माला तथा कमर में छोटी–छोटी घंटियों युक्त आभूषण सुशोभित है। जिससे आनन्द रस से भरी हुई ध्वनियाँ निकलती रहती है। मीराबाई कहती है कि आप संतों को सुख प्रदान करने वाले हो, दयालु हो एवं भक्तवत्सल हो। आप सदा मेरे नेत्रों में निवास करें।

विशेष– (1) श्री कृष्ण की सुन्दर वेशभूषा का मनोहारी वर्णन है।
(2) मीरां की भक्ति भावना प्रकट हो रही है।

(5)

बिना बिचारे जो करे, सो पाछे पछताय।
काम बिगारे आपनो, जग में होत हँसाय।।
जग में होत हँसाय, चित्त में चैंन न पावै।
खान–पान सम्मान, राग–रंग मनहिं न भावै।
कह गिरधर कविराय, दुःख कछु टरत न टारे।
खटकत है जिय माहिं, कियो जो बिना बिचारै।।

संदर्भ एवं प्रसंगः– प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिन्दी पाठ्य पुस्तक के कुण्डलियाँ पाठ से ली गई है। इसके रचयिता 'गिरधर कविराय' हैं। यहाँ बिना सोचे–विचारे कार्य करने के पश्चात उसके जो परिणाम सामने आते हैं, उन्हें दर्शाया गया है।

व्याख्याः– कवि कह रहे हैं कि जो व्यक्ति बिना सोचे समझे कार्य करता है, वह बाद में परिणाम आने पर पछताता है। वह बिना सोचे किए गये कार्य से स्वयं का काम तो बिगाड़ता ही है, और साथ ही जग में हँसी का पात्र भी बन जाता है। इससे उसका मन अशांत हो उठता है, तथा उसके मन को कहीं भी चैंन नहीं मिलता है। जब ऐसी स्थिति आती है तो उसके मन को न खाना, पीना, न राग, रंग और न ही सम्मान अच्छा लगता है।कवि स्पष्ट करते हुए कहते है कि यह ऐसा दुःख है जो टालने पर भी नहीं टलता और सदैव हृदय में खटकता रहता है। इसलिए कोई भी कार्य बिना सोचे विचारे किया जाता है तो वह हमेशा कष्टकारी होता है।

विशेष– (1) बिना सोचे–समझे कार्य न करने के लिए प्रेरित किया गया है।
(2) पद नीतिपरक है।

प्रार्थनापत्र

(1)

आपने आप को आईना कुमार मानते हुए अपने प्रधानाध्यापक जी को बीमारी के अवकाश के लिए एक दिन का प्रार्थना–पत्र लिखिए।

सेवामें,

श्रीमान् प्रधानाध्यापक महोदय जी,
राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय,
चूरू (राज.)

विषय :– बीमारी के कारण एक दिन के अवकाश बाबत।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि आज मेरी तबियत ठीक न होने के कारण में आज विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सकता हूँ। अतः आप मुझे एक दिन का अवकाश देने की कृपा करें।

आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद।

दिनांक :
07 मार्च 2018

आपका आज्ञाकारी शिष्य
नाम–आईना
कक्षा– 8

(2)

अपने आपको हिमांशु राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, मघाऊ, चूरू कक्षा–8 का छात्र मानते हुए बोर्ड परीक्षा में हो रहे अधिक ध्वनि प्रदूषण से निजात पाने के लिए चूरू जिला कलक्टर को एक पत्र लिखिए।

सेवा में,
श्रीमान् जिला कलक्टर
चूरू (राज.)

रा. उ. प्रा. विद्यालय, मघाऊ
चूरू
दिनांक – 01 मार्च 2018

विषय – बोर्ड परीक्षा में ध्वनि प्रदूषण से मुक्ति बाबत।

महोदय,

सादर प्रणाम। हमारी बोर्ड परीक्षा–2018 की परीक्षाएं जारी है। हमारे विद्यालय एवं घर के आस–पास कई बार ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाने वाले संगीत यंत्र बजाये जाते है। जिससे हमारी पढ़ाई बाधित होती है। अतः आपसे निवेदन है कि आप हमारे भविष्य को ध्यान में रखते हुए उचित कार्यवाही करें।

प्रार्थी

हिमांशु
कक्षा–8

निबंध लेखन

1.मेरे सपनों का भारत

प्रस्तावनाः– मानव विचारशील प्राणी है। उसके विचार कमी अपने तक सीमित रहते है, तो कभी समाज व राष्ट्र तक फेल जाते है। मैं यह सोचता हूँ कि यदि मेरे सपनों का भारत बन जाए तो कितना अच्छा होगा।

मेरे सपनों का भारतः– मैं सोचता हूँ कि मेरे सपनों के भारत में चारों ओर मित्रता, भाईचारा, स्नेह एवं सदाचार का बोल बाला रहेगा। मैं ऐसा भारत चाहता हूँ जिसमें ना तो गरीबी रहे और ना ही अमीरी रहें। धन का सम्मान हो। किसी भी प्रकार से किसी का शोषण न हो। भ्रष्टाचार, जातिवाद आदि का अन्त हो। कठोर सजा का विद्यान हो। सभी जगह खुशहाली हो।

अन्याय व अत्याचार का अन्त हो। हमारा देश सभी क्षेत्रों में सुशासन के साथ उन्नति के पथ पर अग्रसर हो। बेरोजगारी और बढ़ती महँगाई समाप्ति की ओर हो। भारत ''प्यारा हमारा देश'' सभी क्षेत्रों में प्रगति के पथ पर दुनिया में अपना गौरवपूर्ण रूप हासिल करे।

उपसंहार :–मैं अपने भारत को महान देखना चाहता हूँ। यह केवल सोचने से ही नहीं बल्कि हम सब के कुछ करने से ही सम्भव हो सकता है। इसलिए हम सब मिलकर देशहित में अधिक से अधिक परिश्रम करें।

2.पर्यावरण प्रदूषण

प्रस्तावनाः– 'पर्यावरण' शब्द 'परि+आवरण' से बना है। 'परि' का अर्थ चारों ओर तथा आवरण का अर्थ परिवेश है। अर्थात् हमारे 'चारो ओर का आवरण'। पर्यावरण में वायु, जल, भूमि, पेड़–पौधे, जीव–जन्तु, मानव और उसकी विविध गतिविधियों का समावेश है।

पर्यावरण संरक्षण की समस्याः– विज्ञान की प्रगति के कारण आज मानव प्रकृति पर विजय प्राप्त करना चाहता है। इस कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है। जनसंख्या की निरन्तर वृद्धि, औद्योगीकरण, शहरीकरण, हरे पेड़ों की कटाई , प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, यातायात के साधनों से निकलने वाला घुआँ आदि पर्यावरण को प्रदूषित करते है।

पर्यावरण संरक्षण का महत्त्वः– पर्यावरण संरक्षण का समस्त प्राणियों के जीवन तथा इस धरती के समस्त प्राकृतिक परिवेश से सम्बन्ध अति घनिष्ठ है।

पर्यावरण संरक्षण के उपायः– पर्यावरण संरक्षण के लिए इसे प्रदूषित करने वाले कारणों पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। इसके लिए पेड़–पौधों को बहुसंख्या में लगाना चाहिए।

उपसंहार– पर्यावरण संरक्षण किसी एक व्यक्ति का काम नहीं है। यह समस्त विश्व के लोगों का कर्त्तव्य है। पर्यावरण प्रदुषित समस्त कारकों को मिलकर रोका जाना चाहिए। तभी पर्यावरण सुरक्षित रह सकता है।

।। ''पर्यावरण सुरक्षित तो हम सुरक्षित''।।
।। ''पर्यावरण ही जीवन है।''।।

3.योग की उपादेयता

प्रस्तावना :–योग का सीधा अर्थ है जोड़। अतः अपनी आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़ना ही योग है।महादेव देशाई के अनुसार–"शरीर मन और आत्मा की समग्र शक्तियों को परमात्मा में संयोजित करनाही योग है।" संक्षेप में मन को किसी एक में स्थिर करना, आत्मा और परमात्मा का मिलन करना ही योगहै।योग के अनेक प्रकार हैं यथा–कर्मयोग, ज्ञान योग, भक्तियोग, हठयोग आदि। आसन योग काएक अंग हैं इसलिए इन्हें योगासन कहा जाता है। योगासनों के द्वारा हम अपने रोगों को दूर करआरोग्य प्राप्त कर सकते हैं।

भारतीय संस्कृति और योग :–भारतीय संस्कृति ने सदैव मानव मात्र के हित के लिए कामना की है–'सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वेसंतु निरामया'। हमारे ऋषि मुनियों और मनीषियों ने मानव जीवन को सुखी बनाने के लिए अथक प्रयासकिये। सुखी जीवन के लिए तन और मन दोनों का ही स्वस्थ रहना आवश्यक है। महर्षि पतंजलि ने'योगशास्त्र' शास्त्र की रचना की। भारती की इस प्राचीन विद्या का अनुयायी आज सारा विश्व बन गयाहै।अतः यह कहना उचित है कि योग भारतीय संस्कृति काअनुपम उपहार है, जिससे आज विश्व का हर मानव लाभान्वित हो रहा है।

योग का महत्व :–योग का महत्व आज सर्वविदित है। योग एक जीवन पद्धति है जिस प्रकार खाना, पीना, सोना,मनोरंजन करना जीवन के लिए आवश्यक है, उसी प्रकार स्वस्थ व निरोग रहने के लिए योग प्रत्येकव्यक्ति

के लिए परम आवश्यक है। योग में व्यक्ति को निरोग, स्वस्थ व सक्रिय बनाये रखने की क्षमताहै। योग करने से सारा शरीर कुंदन के समान पवित्र और गंगाजल के समान पवित्र हो जाता है।इसीलिए कहा गया है कि–'योग भगाये रोग'। योग मानसिक तनाव व थकान को दूर करता है। कैंसरऔर मधुमेह जैसे असाध्य रोगों के इलाज में योग कारगर सिद्ध हुआ है। योग से शरीर के सभी अंगसुडोल बनते हैं, शरीर कांतियुक्त होता है। योग करने से मन व मस्तिष्क का विकास होता है। मानवमें सहनशक्ति, शालीनता व सहानुभूति जैसे गुणों का विकास होता है।

विश्व में योग की बढ़ती ख्याती :–वर्तमान में योग प्रचार–प्रसार के लिए स्वामी रामदेव द्वारा किए गए प्रयास अतुलनीय हैं। स्वामीरामदेव ने हरिद्वार में 'पतंजलि योगपीठ' की स्थापना की है। स्वामी जी ने देश और विदेश में सैंकड़ोंयोगाभ्यास शिविर लगाकर लोगों को स्वस्थ रहने की प्रेरणा दी है। भारत के प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्रसंघ में दिए अपने भाषण में योग के महत्व को विश्व के समक्ष रखा। फलस्वरूप 21 जून, 2015 से प्रतिवर्षसम्पूर्ण विश्व में योग दिवस मनाये जाने की घोषणा हुई। 21 जून को 192 देशों के नागरिकों नेयोगाभ्यास का प्रदर्शन किया। योग की उपादेयता देखते हुए इसे विद्यालयी शिक्षा के पाठ्यक्रम मेंसम्मिलित किया गया है।

उपसंहार :–योग रोग मुक्ति हेतु भारत की प्राचीन पद्धति है। विश्व मानवता को योग विश्व गुरु भारतकी देन है। योग की उपादेयता, महत्व और लाभों को देखते हुए विश्व के करोड़ों लोगों ने इसेअपनाया है। निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि योग को अपनाकर हम श्रेष्ठ इन्सान बन सकतेहैं। किसी ने ठीक ही कहा है–

जान है तो जहान है
योग भगाये रोग

अतः हर व्यक्ति को नियमित रूप से योग करना चाहिए।

4.स्वच्छ भारत अभियान

प्रस्तावना :–राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने स्वतंत्रता आंदोलन चलाकर देश को गुलामी से मुक्त कराया, परंतु'क्लीन इण्डिया' का उनका सपना पूरा नहीं हुआ। विश्व स्वास्थ्य संगठन की दृष्टि में भारत में स्वच्छताकी कमी है। इन्हीं बातों का चिंतन और देश की यथार्थ स्थिति देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीयस्वच्छता अभियान का शुभारंभ 2 अक्टुबर, 2014 को गाँधी जयंती के अवसर पर किया। इस अभियानसे सारे देश में सफाई एवं स्वच्छता के प्रति जागरुकता लाने का, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों को गन्दगीमुक्त करने का संदेश दिया गया।

स्वच्छता की आवश्यकता :–स्वच्छता का मानव के स्वास्थ्य के साथ निकट का संबंध है। व्यक्तिगत सफाई स्वास्थ्य का प्रथमचरण है। इसी प्रकार सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सार्वजनिक स्थानों की सफाई की आवश्यकता होतीहै। इसके लिए मलमूत्र व कचरे के उचित निस्तारण, जल स्रोतों को शुद्ध रखने, वायु भूमि का उचितरख–रखाव रखने और मृत पशुओं का निराकरण करना आवश्यक होता है। हम अपने घर को तो साफरखना चाहते हैं, लेकिन कूड़ा या कचरा घर के बहार फेंक देते हैं। कहीं भी लघु शंका के लिए बैठ जातेहैं। घरों में शौचालय नहीं हैं। देश में लगभग सवा ग्यारह करोड़ शौचालयों की आवश्यकता है। एकसर्वेक्षण के अनुसार भारत में एक लाख छप्पन हजार विद्यालयों में शौचालय नहीं हैं। इस अभियान काउद्देश्य सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना, शौचालयों का निर्माण करवाना, देश को गंदगी से मुक्तकरना तथा स्वच्छ जल की व्यवस्था करना है।

अभियान की क्रियान्विति :–लोग अपने आसपास की सफाई करना छोटा काम समझते हैं। अतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेलोगों की मानसिकता बदलने के लिए, अपने मंत्रीमंडल के साथ हाथ में झाड़ू उठाई और दिल्ली कीसड़कों पर सफाई की। इसके बाद संपूर्ण देश में देश में सफाई प्रतिष्ठित लोग, मंत्री, राजनेता व आमजनता इस कार्य में जुट गई। गाँवों में शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहन राशि के रूप में बारह हजाररुपये हेतु दिये जाने का निर्णय लिया गया। विद्यालयों में 60 हजार शौचालयबनवाये गये हैं। ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है। देशमें स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जो उत्साह देखा गया, उससे लगा कि अब भारत देश में गंदगी कानामोनिशान नहीं होगा।

दिशा और संभावनाएँ :–यदि स्वच्छता रहेगी तो बीमारियों के कारण अनावश्यक आर्थिक बोझ नहीं बढ़ेगा। गंगा यमुनाका जल अमृत जैसा पवित्र रह सकेगा और सिंचित कृषि उपजों में भी स्वच्छता बनी रहेगी। स्वच्छताअभियान से देश का पर्यावरण हर दिशा में स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त हो जायेगा। भारत का स्वच्छ बनानेके लिए प्रदेशों की सरकार, बड़े कार्पोरेट सेक्टर और समाज के प्रतिष्ठित लोगों के सहयोग कीआवश्यकता है।

उपसंहार :–स्वच्छ भारत अभियान को यदि सच्ची भावना से अपनाया जाये तो इससे आमजन को बीमारियोंसे मुक्ति मिलेगी, भारत स्वच्छ हो जायेगा तथा विदेशों में स्वच्छ भारत की छवि उभरेगी, जिससे पर्यटनके क्षेत्र में वृद्धि होगी और उद्योग धंधों को गति मिल सकेगी। स्वच्छता स्वर्ग से भी एक कदम आगे होतीहै। स्वच्छ भारत का सपना साकार उत्साह और जोश से ही पूरा हो सकता है–

मंजिल उन्हीं को मिल सकती है,
जिनके सपनों में जान होती है,
परों से कुछ नहीं होता,
हौसलों से बाजी जीती जाती है।

हम भी स्वच्छता अभियान की सफलता को लेकर आशान्वित हैं।

5.बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

प्रस्तावना :–भारतीय संस्कृति में नारी को विशेष महत्व दिया गया है। यहाँ नारी को महत्व देते हुए कहाहै–' अर्थात् जहाँ नारियों की पूजा होती है वहाँ देवतानिवास करते हैं। नारी के अभाव में सृष्टि के निर्माण का कार्य भी अधूरा रहता है लेकिन वर्तमानसमय में अनेक कारणों से नर–नारी भेद सामने आ रहा है जो कन्या भ्रूण हत्या का कारणबनकर लिंगानुपात को बिगाड़ रहा है।

समाज की मानसिकता :–वर्तमान समय में समाज में कुछ रूढ़िवादी सोच के लोग बेटी को पराया धन मानकर उसकोपालना–पोसना, पढ़ाना–लिखाना भार मानने लगे हैं। इस कारण कुछ स्वार्थी लोग कन्या कोजन्म ही नहीं देना चाहते हैं। गर्भावस्था में ही लिंग परीक्षण करवाकर कन्या जन्म को रोक देतेहैं। इसके कारण बालक–बालिका अनुपात में अंतर स्पष्ट दिखाई दे रहा है–

कन्या भूण हत्या एक महापाप है
इसके अपराधी हम और आप है

लिंगानुपात में बढ़ता अंतर :–आज समाज की संकीर्ण मानसिकता के कारण लिंगानुपात घटने की जगह बढ़ता ही जा रहाहै। 1991 में जहाँ एक हजार पुरुषों पर 945 स्त्रियाँ थी, 2011 में बालक–बालिका अनुपात मेंगिरावट होते हुए यह अनुपात 918 पर पहँच गया। इस लिंगानुपात के बढ़ते अंतर तथाबालिकाओं की शिक्षा के प्रति उदासीनता को देखकर समाज की ही नहीं, सरकार की भी चिंता
बढ़ गई है। इस दिशा में महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें जन्म से ही अधिकार देने केलिए सरकार ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत की है।

बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं अभियान का उद्देश्य व सार्थकता :–पूरे देश में महिलाओं के संरक्षण व उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वाराहरियाणा के पानिपत में 22 जनवरी, 2015 को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नाम से एक अभियानप्रारंभ किया। महिला एवं बाल विकास विभाग इस अभियान का मुख्य मंत्रालय बनाया गया। इसअभियान में लिंग परीक्षण से कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, व्यक्तित्ववव पेशेवर विकास आदि का लक्ष्य रखा गया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान बढ़तेलिंगानुपात रोकने एवं उन्हें आगे बढ़ाने की सोच को बल प्रदान करेगा।

उपसंहार :–समाज में लड़की–लड़का समानता के प्रति जागरुकता आनी चाहिए। रूढ़िवादी मानसिकताका परित्याग होना चाहिए। बालिका के प्रति स्वस्थ व सकारात्मक माहौल विकसित होना चाहिए।आशा है आने वाले समय में बेटियों को समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त होगा–

कन्या है कुदरत का उपहार
मत करो उसका तिरस्कार
जीने का है उसको अधिकार।
दुनियाँ के खुबसूरत शब्द–''मुबारक हो बेटी हुई है।''

6.कालेधन पर लगाम बनाम देश की अर्थ व्यवस्था

प्रस्तावना :–भारतीय संविधान के तीसरे भाग में अनुच्छेद 12 से 35 में मूल अधिकारों का उल्लेख है।प्रारम्भ में भारतीय नागरिकों को 7 मूल अधिकार प्राप्त थे। वर्तमान में 6 मूल अधिकार प्राप्त है। सम्पत्तिके अधिकार को 44 वें संविधान संशोधन 1978 द्वारा कानूनी अधिकार बना दिया गया है। अतः भारतीयनागरिक को अपनी संपति का विवरण हर वर्ष भारत सरकार को देना होता है और उसका आयकरचुकाना होता है लेकिन कुछ धन के कीड़े न तो अपनी पूर्ण आय का विवरण देते हैं और न ही उसकाआयकर चुकाते हैं। ऐसा धन काला धन है। ऐसा धने देश के असामाजिक तत्वों के पास इकट्ठा होकरतस्करी, भूमाफियागिरी, कालाबाजारी, आतंकवाद, गंदी राजनीति जैसी प्रवृतियों को जन्म देता है।

मुद्रा परिवर्तन की आवश्यकता :–सरकार की बार–बार चेतावनी और आयकर विभाग की कठोर कार्यवाही के बावजूद भी लोगोंने अपनी संपत्ति का आयकर नहीं चुकाया। इस पर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक हजार और पांचसौ के नोट पर प्रतिबंध लगाया। इस कदम से काला धन बैंकों में जामा होगा और उसका जुर्माने सहितवसूला गया आयकर देश के सार्वजनिक विकास में सहायक होगा। आन्यथा पुराने नोट केवल कागजके टुकड़े मान बनकर रह जायेंगे। अपनी अर्थ व्यवस्था को सुधारने के लिए 60 वर्ष पहले अमेरिका नेयही कदम उठाया था अतः देश के धन कुबेरों से उनकी अनैतिक कमाई को उजागर करने के लिए मुद्रापरिवर्तन आवश्यक है।

कालेधन पर रोक के लाभ :–सफेद धन से देश की अर्थ व्यवस्था मजबूत होगी। राष्ट्र का चहुमुखी विकास होगा। देश के सभीसार्वजनिक क्षेत्रों में विकास हो सकेगा। देश के सभी उद्योग धंधों में निवेश हो सकेगा। शिक्षा, स्वास्थ्य,परिवहन, गरीबी उन्मूलन, सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के स्तर को सुधारा जा सकेगा। अपने खून पसीनेसे कमाई करने वाले गरीबों को महंगाई की मार से राहत मिलेगी। इस देश में घोटाले कर अरबों कीहजम करने वालों का पैसा जरूरतमंद और गरीब आदमी के काम आने से देश में राम राज्य का सपनासाकार होगा।

तात्कालिक दशा :–एक हजार और पांच सौ के नोट के चलन को रोकने से देश में कुछ हल्की समस्याओं का सामनाकरना पड़ रहा है। बैंकों के बाहर कतारें लग रहीं हैं, व्यापार मंदी के दौर में हैं, आम आदमी के पासआवश्यक कार्यों हेतु पैसा नहीं है। लेकिन इन सब समस्याओं के बावजूद हमारे प्रधानमंत्री का मुद्रापरिवर्तन का कदम सराहनीय है। कुछ ही दिनों बाद यह संकट खत्म होगा और गरीबी की मार झेलरहे लोगों को सुख चैन से जीने का अवसर मिलेगा।

दिशा और संभावनाएँ :–राष्ट्र के विकास में देश के हर नागरिक का योगदान अपेक्षित होता है। यदि हम अपनी स्वप्रेरणासे अपनी अपनी आय को उजागर कर उसका टैक्स चुकायें तो देश की रगों में फिर से विकास की बाढ़आ सकेगी। अघोषित संपत्ति को सरकार जब्त करे, बड़े भुगतान चैक से हों तो काले धन संचय परलगाम लग सकेगी।देश में काले धन पर कार्यवाही जारी है लेकिन अपेक्षा है जल्द ही स्विश आदि विदेशी बैंकों मेंजमा अरबों–खरबों के काले धन पर भी कड़ी कार्यवाही होगी। विदेशों में जमा काला धन अगरदेश में आता है तो भारत विश्व का सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश होगा। अंदर की सड़ी गलीमछलीयों से बगुलों पर आई बाहर की सफेदी कम हो सकेगी और ठठरियों पर मांस चढ सकेगा।

उपसंहार :–अपेक्षा है कि काले धन को सफेद करन की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस मुहिम में देश के हरनागरिक का पूर्ण सहयोग होगा। केवल विरोध के लिए विरोध करने वाले और झूठी हाय तोबा करे वालोंसे

देश नहीं चलता है। इमानदार, सच्चे और देशभक्त लोगों की मेहनत रंग लायेगी और मजबूत औरअखंड भारत का सपना साकार होगा–

''आँखों में वैभव के सपने
पग पग में तूफानों की गति हो
राष्ट्र भक्ति का ज्वार न रूकता
आये जिस जिस की हिम्मत हो।''

कहानी लेखन

1. खरगोश और कछुआ

किसी जंगल मे तालाब के किनारे एक खरगोश और कछुआ रहते थे। दोनों में अच्छी दोस्ती थी। खरगोश को अपनी तेज चाल पर घमण्ड था इसलिए वह कछुआ की धीमी चाल का मजाक उड़ाता था। एक दिन कछुए ने खरगोश से कहा कि तुम मेरी मजाक उड़ाते हो, क्यों न हम दोनों में दौड़ हो जाए। खरगोश दौड़ के लिए राजी हो गया। वह दौड़कर बहुत दूर निकल गया। उसने देखा कि कछुआ बहुत पीछे रह गया है, क्यों न विश्राम कर लिया जाए। वह एक पेड़ के नीचे लेट गया और सो गया। कछुआ अपनी धीमी चाल में लगातार चलता रहा। जब खरगोश सोकर उठा तो उसे कछुआ दूर तक नजर नहीं आया। वह तेजी से दौड़ा पर कछुआ तय स्थान पर पहले से ही मौजूद था। कछुआ ने अपनी हार मान ली।
शिक्षा– कभी किसी की मजाक नहीं उड़ानी चाहिए।

2. शेर और खरगोश

एक जंगल में शेर रहता था। वह एक–एक दिन में बहुत सारे जानवरों का शिकार कर खा जाता था। जानवर इस बात से बहुत चिन्तित थे। उन्होंने मिलकर शेर से बात करने की सोची। वे सब मिलकर शेर के पास गये और कहा कि हे महाराज! आप जंगल के राजा हैं और हम सब आपकी प्रजा हैं इसलिए हम आपके पास रोजाना एक जानवर खाने के लिए भेज देंगे। आप आराम से बैठकर उसे खायें। यह तय होने के बाद एक जानवर शेर के पास जाने लगा। शेर भी उसे खाकर खुश हो जाता। इसी क्रम में एक दिन एक खरगोश की बारी आई। खरगोश शेर के पास देरी से पहुँचा। पूछने पर उसने बताया कि रास्ते में एक दूसरा शेर मिल गया था। उसने रोका और पूछा कि कहाँ जा रहे हो? तब मैंने उसे कारण बताया। उसने कहा कि जंगल का राजा तो मैं हूँ तुम किस राजा के पास जा रहे हो? मैं अपने प्राण बचाकर आपके पास आया हूँ। यह बात सुनकर शेर क्रोधित हुआ और खरगोश को लेकर चला। खरगोश उसे एक कुएँ के पास ले गया और बोला कि वह इसी में से निकला था। शेर ने झाँक कर कुएँ में देखा। उसको उसकी परछाई दिखी। दूसरा शेर समझकर वह कुएँ में कूद गया और पानी में डूबकर मर गया।
शिक्षा– बल से बुद्धि बड़ी होती है।

3. चिड़िया और अण्डे

किसी जंगल में चिड़िया और चिड़ा रहते थे। उनका जीवन सब तरह से सुखमय था। कुछ समय पश्चात् चिड़िया ने अण्डे दिए। चिड़िया अण्डे सेती और चिड़ा भोजन लेकर आता। एक दिन अचानक उसे पेड़ के पास एक हाथी आया। उसने मस्ती में आकर पेड़ की उस डाली को अपनी सूँड से खींच कर तोड़ दिया जिस डाली पर चिड़िया का घोंसला बना हुआ था। डाली के टूटने पर अण्डे जमीन पर गिरकर टूट गये। यह देख कर चिड़िया को बहुत दुःख हुआ। उसने हाथी से बदला लेने की सोची। लेकिन वह अकेले असमर्थ थी

इसलिए उसने उपाय सोचा और अपने जंगल में रहने वाले तीन साथियों के पास गयी। उसने तीन साथी–कठफोड़वा, वीणारव मक्खी और मेंढ़क थे। तीनों के पास जाकर चिड़िया ने हाथी की करतूत बतायी और अपनी दुःख भरी कहानी सुनाई। हाथी की करतूत सूनकर वे क्रोधित हुए और उन्होंने मिलकर हाथी को मारने का उपाय सोचा। वीणारव मक्खी ने कहा– '' मैं हाथी के कान पर भिनभिनाऊँगी, जिससे उसे नींद आ जायेगी और वह सो जायेगा।'' कठफोड़वा बोला– ''सोने र मैं हाथी की आँखें फोड़ दूँगा।'' मेंढ़क बोला–उस समय जब हाथी प्यासा होगा तब मैं एक बहुत बड़े गड्ढे में जाकर टर्र–टर्र करूँगा। मेरी आवाज सुन कर हाथी गड्ढे की ओर भागेगा कि वहाँ पानी होगा और गड्ढे में गिर कर निकल नहीं पायेगा। इस प्रकार भूख–प्यास से तड़प–तड़प कर मारा जायेगा।

सबने मिलकर ऐसा ही किया। हाथी मर गया। चिड़िया का बदला हो गया।

शिक्षा–आपसी सहयोग से सफलता अवश्य मिलती है।

4. मधुमक्खी और चिड़िया

एक समय की बात है कि एक चिड़िया एक पेड़ की डाल पर बैठी थी। उसी समय एक मधुमक्खी पानी में गिर गयी। चिड़िया ने उसे डूबते देखकर एक पत्ता तोड़कर पानी में डाल दिया। डूबती हुई मधुमक्खी ने पत्ता देखा और उस पर बैठ गई। कुछ समय बैठे रहने पर जब उसके पंख सूख गये तब उड़ गई। इस प्रकार उसकी डूबने से जान बच गयी।कुछ दिनों के बाद उस जंगल में एक शिकारी आया। उसने उसी चिड़िया को पेड़ पर बैठे हुए देखा और उसका शिकार करने की सोची। चिड़िया को शिकारी का पता नहीं था। वह बेखबर बैठी थी। मधुमक्खी ने खतरे को समझ लिया, उसने तुरन्त ही शिकारी के डंक मार दिया जिससे शिकारी का निशाना चूक गया और चिड़िया की जान बच गई।

शिक्षा– भलाई का फल भला ही होता है।

प्रारम्भिक शिक्षा पुर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा मॉडल प्रश्न पत्र 01
कक्षा–8 विषय–हिन्दी

समयः 2.5 घण्टे पूर्णांकः 80

निर्देश– सही उत्तर का चयन कीजिए–

1. अब्दुल कलाम को अच्छा ज्ञान था– 1
(अ) कर्नाटक संगीत का (ब) मांड संगीत का (स) लोक संगीत का (द) उपर्युक्त सभी का
2. अन्न की अधिष्ठात्री देवी कहा गया है– 1
(अ) इला को (ब) इल्ली को (स) नष्टार्थी देवी को (द) कृषि विभाग की गोष्ठी को।
3. संत कँवरराम की अन्तिम सात रातों को किस नाम से जाना जाता है? 1
(अ) सात रातों (ब) अन्तिम रातों (स) भक्ति रातों (द) जगरातों
4. 'शक्ति और क्षमा' कविता के रचयिता हैं– 1
(अ) रामावतार त्यागी (ब) रामधारी सिंह 'दिनकर' (स) नरोत्तम दास (द) प्रेमचन्द
5. मूर्ख लोग हीरे का उपयोग कैसे करते है– 1
(अ) अँगूठी बनवाकर (ब) मुकुट में मँढ़वाकर
(स) छेद करके कमर में बाँधकर (द) माला बनाकर गले में पहनकर
6. 'कुंडलियाँ' कविता के अन्तर्गत आए 'पाछै' शब्द का अर्थ है– 1
(अ) पीछा करना (ब) पिछवाड़े रहना (स) बाद में (द) वापस करना
7. 'जड़' का विलोम शब्द है– 1
(अ) तना (ब) चोटी (स) चेतन (द) वृक्ष
8. 'सूर्य' का पर्यायवाची शब्द है– 1
(अ) नयन (ब) रवि (स) तरू (द) नीर

निर्देश– अति लघूत्तरात्मक प्रश्नः–

9. 'मेरे लिए यह एक तीर्थ स्थल है' – यह वाक्य किसने कहाँ? 2
10. राजा हम्मीर की पुण्यधरा कौनसी है? 2
11. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए– 2
'पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सौ पगधोए।
12. 'समर्पण' कविता में कवि अपना तन–मन किसे समर्पित करना चाहता है? 2
13. 'लाल–पीला होना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 2

अथवा

निम्नांकित वाक्य में बहुवचन का पद छांटकर लिखिए–
बालक..... पढ़ रहे हैं। (पुस्तकें/पुस्तक)

14. निम्नांकित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए– 2
चन्द्रमा, पुत्र

अथवा

निम्नांकित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–
नदी, भाषा, लता, किताब

निर्देश– लघूत्तरात्मक प्रश्न :–

15. गाय से प्राप्त द्रव्य 'पंचगव्य' के नाम से जाने जाते हैं। उनके नामलिखिए। 4
16. लक्ष्मी ने अन्तिम समय सुभागी को क्या आशीर्वाद दिया? 4

17. कवि गिरधर ने दौलत को मेहमान क्यों कहा है? 4

18. श्री कृष्ण के किस रूप को मीरां अपनी आँखों में बसाना चाहती हैं? 4

19. निम्नांकित शब्दों की सहायता से एक–एक वाक्य बनाइए– 4

हम, विद्यालय, सुन्दर, सहायता

अथवा

दिए गए वाक्यों में क्रिया सकर्मक है अथवा अकर्मक लिखिए–

(क) बालक ने दूध पिया।

(ख) कौआ उड़ता है।

20. विद्यालय परिसर को हम किस प्रकार साफ रख सकते है? 4

21. सड़क पर चलते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? कोई चार बिन्दु लिखिए। 4

निर्देश– निबंधात्मक प्रश्न :–

22. निम्न गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

संत कँवरराम के सतगुरू संतरामदास के स्वर्ग सिधारने के बाद वे अकेले ही समाजोत्थान के साथ सत्संग में लगे रहते। अपनी मधुर वाणी व भजनों से जन–जन में प्रेम–भक्ति का संदेश देते। उनके संगीतमय भजनों में माधुर्ष के साथ–साथ पीड़ितों का दर्द भी बयाँ होता था। उनकी आवाज पर हजारों लोग मोहित हो जाते थे। पैरों में घुँघरू, कानों में कुण्डल, सिर पर लाल जाफरानी रंग की पगड़ी, तन पर श्वेत जामा और कमर पर बाँधनी बाँधकर संगीत की मस्ती में झूमने की छटा देखते ही बनती थी।

(क) संत कँवरराम के भजनों का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता था? 2

(ख) संत कँवरराम के पहनावे के बारे में जानकारी दीजिए। 2

(ग) संत कँवरराम के गुरू का नाम क्या था? 2

(घ) संत कँवरराम के गुरू का स्वर्गवास होने पर उन्होंने क्या किया? 2

23. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8

लाठी में गुन बहुत हैं, सदा राखिए संग।
नदियाँ नाला जहाँ पड़ै, तहाँ बचावत अंग।।
तहाँ बचावत अंग, झपट कुत्ते को मौर।
दुश्मन, दागनगीर, ताही का मस्तक फारै।।
कह गिरधर कविराय, सुनो हे धुर के साठी।
सब हथियारन छोड़, हाथ में राखिए लाठी।।

अथवा

धरती जागी, आकाश जगा,
वह जागा तो मेवाड़ जगा,
वह गरजा, गरजी दसों दिशा,
था पवन रह गया ठगा–ठगा।
हर मन पर था उसका शासन,
पत्थर–पत्थर था सिंहासन।

24 'फलवाला और ग्राहक' की बातचीत को अपने शब्दों में संवाद रूप में लिखिए। 8

अथवा

आप अपनी वार्षिक परीक्षा के सम्बन्ध में अपने बड़े भाई साहब को एक पत्र लिखिए।

25. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबंध लिखिए। 8

(क) कालेधन पर लगाम बनाम देश की अर्थ व्यवस्था
(ख) प्रकाश पर्व दीपावली
(ग) साक्षरता अभियान
(घ) पर्यावरण प्रदूषण

अथवा

निम्नांकित में से किसी एक पात्र समूह को आधार मानकर 150 शब्दों में कहानी लिखिए–
(क) लोमड़ी और अंगूर
(ख) खरगोर और कछुआ
(ग) चिड़िया और अंडे
(घ) हाथी व दर्जी

———————————————

प्रारम्भिक शिक्षा पुर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा मॉडल प्रश्न पत्र 02
कक्षा–8 (हिन्दी)

समयः 2.5 घण्टे पूर्णांकः 80

निर्देश– सही उत्तर का चयन कीजिए–

1. सुभागी ने सम्भाल रखा था– 1
   (अ) व्यापार का सारा काम (ब) घर का सारा काम
   (स) समाज का सारा काम (द) गांव का सारा काम
2. लोकमान्य तिलक को बीमारी थी– 1
   (अ) मधुमेंह की (ब) ह्रदय की (स) श्वास की (द) कोई भी नही
3. किस जगह की भूमि के आस–पास कोई भी जूते पहनकर नही जाते थे? 1
   (अ) राज दरबार (ब) जोहड़ (स) बिजली घर (द) विवाह–समारोह
4. समर्पण कविता के रचयिता है– 1
   (अ) हरिशंकर परसाई (ब) निराला (स) रामावतार त्यागी (द) सुमित्रानन्दन पंत
5. 'राध्यों' का अर्थ है– 1
   (अ) सेकना (ब) पकाना (स) रमना (द) राग अलापना
6. कवि ने 'नर व्याघ्र' कहा है– 1
   (अ) अर्जुन को (ब) युधिष्ठिर को (स) भीष्म पितामह को (घ) दुर्योधन को
7. 'धूप–छाँव' में कौनसा समास है? 1
   (अ) कर्मधारय समास (ब) द्वन्द्व समास (स) अव्ययी भाव समास (घ) तत्पुरूष समास
8. शुद्ध वर्तनी का शब्द है– 1
   (अ) भीक्षुक (ब) भिक्षूक (स) भिक्क्षुक (द) भिक्षुक

निर्देश– अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नः–

9. राजा दिलीप ने किस की सेवा की? 2
10. 'जैसलमेर की राजकुमारी' पाठ में राजकुमारी की तुलना किससे की गई है? 2
11. निम्नांकित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए– 2

'दौलत पाय न कीजिए, सपने में अभिमान,
चंचल जल दिन चारि को, ठॉऊ न रहत निदान।

12. सुदामा श्री कृष्ण के लिए भेंट–स्वरूप क्या ले गये थे? 2
13. उपयुक्त विशेषण लगाकर वाक्यों को पुनः लिखिए– 2
(क) घोड़ा दौड़ता है।
(ख) राधा सुन्दर है।

अथवा

'कमर कसना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

14. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए– 2

मित्र, वीर, सरल, महान

अथवा

निम्नांकित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए–

वृक्ष, सूर्य

निर्देश – लघूत्तरात्मक प्रश्न :–

15. राजकुमारी रत्नावली यवनों का मज़ाक उड़ाते हुए उनसे क्या कहती थी? 4
16. लेखक ने चने के बारे में अपने क्या विचार व्यक्त किए है? बताइए। 4
17. सागर ने राम की दासता कब स्वीकार की? 4
18. किसी काम को बिना सोचे–समझे करने पर क्या परिणाम होते हैं? 4
19. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए– 4

जीवन, धर्म, मित्र, सम्मान

अथवा

खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' में दिए गए पर्यायवाची शब्दों का मिलान कीजिए–

(खण्ड–अ)	(खण्ड–ब)
(क) भौंरा	घोड़ा, हय, तुरंग, बाजि
(ख) अश्व	सरिता, तटिनी, तरंगिणी, आपगा
(ग) आकाश	भ्रमर, मधुकर, अलि, भँवरा
(घ) नदी	नभ, व्योम, गगन, अम्बर

20. आपके पड़ौस के घर में आग लग गई है। आप किस प्रकार सहायता करेंगे? चार बिन्दुलिखिए। 4
21. सड़क दुर्घटना के प्रमुख कारण क्या है? समझाइए। 4

निर्देश– निबंधात्मक प्रश्न :–

22. निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8

भारतीय जीवन में गायका विशेष महत्त्व है। गाय चौपाया प्राणी है और उसे माँ के बराबर आदर दिया जाता है यह हमारी पारिवारिक व कृषि–संस्कृति की आधार रही है। गाय को गोधन कहा जाता है। पौराणिक काल में जिसके पास जितनी अधिक गायें होती थी, वह उतना ही धनी माना जाता था। अतएवं गायो की सुरक्षा को एक मानवीय कर्त्तव्य के रूप में परिभाषित किया गया है। गाय को बेदों में रक्षणीय, सुरक्षा के योग्य, इसी अर्थ में स्वीकारा गया है कि वे सर्वोपरि धन है। गायों के बजाय बैलों ने कृषि–कार्यो में इतना सहयोग किया कि वे गायों के साथ ही पूजा के योग्य भी माने गए।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
(ख) गाय को वेदों में किस अर्थ में स्वीकारा गया है?
(ग) पौराणिक काल में धनी होने का आधार क्या माना जाता था?

(घ) बैलों को पूजा के योग्य मानने का क्या कारण है?

23. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8

बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछताय।
काम बिगारे आपनो, जग में होत हँसाय।।
जग में होत हँसाय, चित्त में चैन न पावैं।
खान–पान–सम्मान, राग–रंग मनहिं न भावै।।
कह गिरधर कविराय, दुःख कछु टरत न टारे।
खटकत है जिय माहिं, कियों जो बिना बिचारै।।

अथवा

सच पूछो तो शर में ही,
बसती है दीप्ति विनय की
संधि वचन संपूज्य उसी का,
जिसमें शक्ति विजय की।
सहनशीलता क्षमा दया को,
तभी पूजता जग है,
बल का दर्प चमकता,
उसके पीछे जब जगमग है।

24. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर अपने शब्दों में संवाद लिखिए– 8

(क) दो मित्रों की बातचीत
(ख) पिता व पुत्र का वार्तालाप

अथवा

अपने को प्रकाश मानते हुए अस्वस्थता के कारण अपने प्रधानाध्यापक को अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

25. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबंध लिखिए– 8

(क) स्वच्छ भारत अभियान
(ख) पर्यावरण प्रदूषण
(ग) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन
(घ) बेटी बचाओं, बेटी पढाओं

अथवा

निम्नांकित में से किसी एक पात्र समूह को आधार मानकर 150 शब्दों में कहानी लिखिए–

(क) बन्दर और मगरमच्छ
(ख) मधुमक्खी और चिड़िया
(ग) प्यासा कौआ
(घ) लोमड़ी और अंगूर

प्रारम्भिक शिक्षा पुर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा मॉडल प्रश्न पत्र 03
कक्षा–8 (हिन्दी)

समयः 2.5 घण्टे पूर्णांकः 80

निर्देश– सही उत्तर का चयन कीजिए–

1. 'बहादुर वह है, जो अपने बल पर काम करे' –यह कहाँ। 1
   (अ) तुलसी ने (ब) रामू ने (स) सज्जनसिंह ने (द) सुभागी ने
2. अब्दुल कलाम का जन्म हुआ– 1
   (अ) 1931 ई. में (ब) 1941 ई. में (स) 1929 ई. में (द) 1921 ई. में
3. अपराजिता कहा गया है– 1
   (अ) श्रीमती टी. सुब्रह्मण्यम् को (ब) प्रोफेसर को (स) आई.ए.एस. को (द) चंद्रा को
4. मीरां अपनी आँखों में किसे बसाना चाहती है? 1
   (अ) राधा को (ब) श्री कृष्ण को (स) सूरदास को (द) श्री राम को
5. महाराणा प्रताप के पक्ष में था– 1
   (अ) सत्य (ब) असत्य (स) प्रलोभन (द) समझौता
6. 'समर्पण' कविता के माध्यम से कवि हमें संदेश देना चाहता है– 1
   (अ) सर्वस्व समर्पण का (ब) स्वाभिमान का (स) परोपकार करने का (द) स्वावलम्बन का
7. 'रात' का पर्यायवाची शब्द है– 1
   (अ) दिनकर (ब) भानु (स) इन्दु (द) निशा
8. 'बचपन' शब्द है– 1
   (अ) जातिवाचक संज्ञा (ब) भाववाचक संज्ञा (स) व्यक्तिवाचक संज्ञा(द) समूह वाचक संज्ञा

निर्देश– अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :–

9. संत कँवरराम ने गायन विद्या किससे सीखी? 2
10. 'वीर जननी' पुरस्कार किसे मिला? 2
11. निम्नांकित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए– 2
    'लाठी में गुन बहुत है, सदा राखिए संग,
    नदियाँ नाला जहां पड़े, तहाँ बचावत अंग।
12. 'समर्पण' कविता में कवि 'माँ' का ऋण कैसे उतारना चाहता है? 2
13. 'कु' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए। 2

अथवा

दिए गए शब्दों के विलोम पद लिखिए–

यश, दुर्जन

14. निम्नालिखित मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए– 2
    (क) नौ–दो–ग्यारह होना
    (ख) अपने मुँह मियाँ मिट्टू होना

अथवा

रिक्त स्थानों की पूर्ती कोष्ठक में दिए गए उचित शब्द से कीजिए–

(क) खान–पान–सम्मान ..... मनहिं न भावै। (राग–रंग, महल–चौबारे)

(ख) मीठे वचन ..... विनय, सब ही की कीजै। (बचावत, सुनाय)

निर्देश– लघूत्तरात्मक प्रश्नः–

15. सम्राट अशोक ने अपने स्तम्भों पर क्या–क्या अंकन करवाया? 4
16. रणथम्भौर बाघ अभयारण्य में लेखक ने कौन–कौनसे वन्य प्राणी देखे? 4
17. द्वारपाल ने सुदामा के आगमन की सूचना किसको तथा क्या दी? 4
18. हीरा किस बात पर पछताने लगा? 4
19. दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिन्हों का प्रयोग कीजिए– 4
    (क) अरे कुछ तो कहो
    (ख) आप खाने में क्या पसंद करते हो

अथवा

निम्नांकित शब्दों की सहायता से एक–एक वाक्य बनाइए–

भलाई, खुश, वे सब, गाँव

20. आप अपने विद्यालय को स्वच्छ और आकर्षक बनाने के लिए क्या–क्या कर सकते है? लिखिए। 4
21. निम्नांकित पंक्तियों का सही मिलान कर सार्थक वाक्य बनाइए– 4
    (क) गाड़ी चलाते समय – रूकने का संकेत है।
    (ख) प्रवेश निषेध रास्ते से – मोबाइल पर बातं नही करनी चाहिए।
    (ग) चौराहे पर जलती लाल बत्ती – फुटपाथ का प्रयोग करना चाहिए।
    (घ) पैदल चलने के लिए – अंदर नहीं जाना चाहिए।

निर्देश– निबंधात्मक प्रश्न :–

22. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 8

रात को कभी माँ के सिर में तेल लगाती तो कभी उसकी देह दबाती। जहॉ तक उसका बस चलता माँ–बाप को कोई काम न करने देती/हाँ, भाई को न रोकती वह सोचनी कि यह तो जवान आदमी है। ये काम न करेंगे तो गृहस्थी कैंसे चलेगी। मगर रामू को यह बुरा लगता कि अम्मा और दादा को तिनका तक नहीं उठाने देती और मुझे पीसना चाहती है। वह सुभागी से बोला–'अगर उन लोगो से बड़ा मोह है तो उनको लेकर अलग क्यों नहीं रहती हो?

(क) सुभागी माँ की सेवा किस प्रकार किया करती थी?
(ख) सुभागी अपने भाई को काम करने से क्यों नहीं रोकती थी?
(ग) रामू ने क्रोधित होकर सुभागी से क्या कहा?
(घ) रामू को किस बात पर बुरा लगता था?

23. निम्नांकित पद्याशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8

'बसों मेरे नैनन में नन्दलाल।
मोर मुकुट मकराकृत कुण्डल, अरून तिलक सोहे भाल।।
मोहनि मूरति, साँवरि सूरति, नैना बने बिसाल।
अधर–सुधा–रस मुरली राजति, उर बैजंती माल।।
छुद्र घंटिका कटि–तट सोभित, नूपुर सबद रसाल।
'मीरा' प्रभु संतन सुखदाई, भगत बछल गोपाल।।
माँज दो तलवार को लाओ, न देरी,
बाँध दो कसकर, कमर पर ढाल मेरी,
भाल पर मल दो चरण की धूल थोड़ी,
शीश पर आशीष की छाया धनेरी,

स्वप्न अर्पित प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण–क्षण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती,
तुझे कुछ और भी दूँ।

24. 'शिक्षक व शिष्य' की बातचीत को अपने शब्दों में संवाद रूप में लिखिए। 8

अथवा

अपने आप को रोहन मानकर अपने पिताजी से अपनी पढ़ाई से सम्बन्धित पुस्तके खरीदने हेतु 2000रू मँगवाने के लिए पत्र लिखिए।

25. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबंध लिखिए– 8

(क) पर्यावरण संरक्षण
(ख) मेरा प्रिय त्योहार
(ग) मोबाइल से होने वाले लाभ व हानि
(घ) मेरे सपनों का भारत

अथवा

निम्नांकित में से किसी एक पात्र समूह को आधार मानकर 150 शब्दों में कहानी लिखिए–

(क) लालची कुत्ता
(ख) हाथी व दर्जी
(ग) बन्दर और मगरमच्छ
(घ) आजादी का सुखे

————————————

प्रारम्भिक शिक्षा पुर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा मॉडल प्रश्न पत्र 04
कक्षा–8 (हिन्दी)

समयः 2.5 घण्टे पूर्णांकः 80

निर्देश– सही उत्तर का चयन कीजिए–

1. 'मुझे खेतों में अच्छा लगता है। यहाँ सचमुच जीवन है, शान्ति है, सुख है।' किसने कहा– 1
(अ) किसान ने (ब) छोटे अफसर (स) बड़े अफसर ने (द) लेखक ने

2. संत कँवरराम अपना गुजारा करते थे– 1
(अ) भिक्षा से (ब) भजन करने से (स) चने बेचकर (द) परिश्रम करके

3. गाँव के मुखिया सज्जन सिंह पुरूष थे– 1
(अ) कठोर (ब) सज्जन (स) धनवान (द) अक्खड़

4. 'समर्पण' कविता में हम ऋणी है– 1
(अ) मातृभूमि के (ब) साहूकार के (स) डॉक्टर के (द) किसान के

5. सुदामा के प्रिय मित्र कौन थे? 1
(अ) श्री कृष्ण (ब) बलराम (स) युधिष्ठिर (द) कर्ण

6. कवि ने 'नर व्याघ्र' कहा है– 1
(अ) अर्जुन का (ब)युधिष्ठिर को (स) भीष्म को (द) दुर्योधन को

7. 'पौधे पर सुन्दर फूल खिला है' यहाँ विशेषण शब्द है– 1

(अ) पौधे (ब) सुन्दर (स) फूल (द) खिला

8. 'पर्वत' शब्द का पर्यायवाची है– 1

(अ) नरेश (ब) अचल (स) पावक (द) स्वर्ण

निर्देश– अति लघूत्तरात्मक प्रश्न :–

9. लेखिका ने डॉ. चन्द्रा को सबसे पहले कहाँ देखा? 2

10. लोकमान्य तिलक ने कारावास में कितने वर्ष बिताए। 2

11. कविता में विषहीन, विनीत और सरल साँप द्वारा दी गई क्षमा को निरर्थक क्यों कहा गया है? 2

12. मीरां ने पीर को हरने वाला किसे बताया? 2

13. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए– 2

आशिस, सपन, अरपित, रिण

अथवा

निम्नांकित शब्दों की सन्धि कीजिए–

सु+आगत, जगत्+ ईश

14. निम्नांकित मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए– 2

(क) बाल भी बाँका न होना

(ख) लाल–पीला होना

अथवा

विलोम शब्द लिखिए–

मानव, उचित

निर्देश– लघूत्तरात्मक प्रश्नः–

15. **'जीप सवार इल्लियाँ'** पाठ में अफसरों की किस मनोवृत्ति पर व्यंग्य किया गया है? 4

16. राणाजी की आँखों में करूणा एवं गर्म के आँसू क्यों छलक पड़े? 4

17. यदि सुदामा की तरह कोई गरीब घनिष्ठ मित्र मिलने आए, तो आप कैसा व्यवहार करेंगे? 4

18. 'कुण्डलियाँ' में लाठी के क्या–क्या गुण बताए गए है? 4

19. दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिन्हों का प्रयोग कीजिए– 4

(क) आपके पिताजी का क्या नाम है

(ख) बाप रे इतना ऊँचा पहाड़ पहले नहीं देखा।

अथवा

निम्नलिखित 'शब्द समूहों' को उनके आगे लिखे हुए 'शब्द' से मिलान करें–

(क) जो कभी न मरता हो – अप्राप्य

(ख) जिसे टाला न जा सके – अशान्त

(ग) जो शान्त न हो – अटल

(घ) जिसे प्राप्त न किया जा सके – अमर

20. आपके पड़ौस में एक वृद्ध व्यक्ति बीमार हो गया है। आप उसकी सहायता किस प्रकार करेंगे? चार बिन्दु लिखिए। 4

21. गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन पर बातें क्यों नहीं करनी चाहिए। 4

निर्देश– निबंधात्मक प्रश्न :–

22. निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8

'रामेश्वरम् के तट पर पक्षियों की उड़ान मेरे मन की गहराई तक उतर गई। यह मेरे जीवन का महत्त्वपूर्ण अध्याय था। इसके बाद ही मैंने उड़ान विज्ञान को अपना विषय बनाने का निश्चय किया था। मैं उनका आभारी हूँ जिन अध्यापकों के पढ़ाने की विधि ने मेरा भविष्य तय कर दिया। इससे मैंने मेरे जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित कर लिया। मैंने भौतिक विज्ञान का अध्ययन किया, आगे चलकर मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर में पढ़ाई की और तब एक रॉकेट इंजीनियर, एरोप्लेन इंजिनियर तकनीक विशेषज्ञ बना।

(क) अब्दुल कलाम ने पक्षियों की उड़ान कहाँ देखी? जो उनके मन में गहराई तक उतर गई।

(ख) डॉ. कलाम किनके प्रति आभारी है?

(ग) डॉ. कलाम किस विज्ञान का अध्ययन किया?

(घ) डॉ. कलाम ने किस शिक्षण संस्थान में पढ़ाई की ?

23. निम्नांकित में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8

'सीस पगा न झगा तन पै प्रभु,जाने को आहि, बसै केहि ग्रामा।
धोती फटी सी, लटी दुपटी अरू, पॉव उपान हुँ की नहीं सामा।
द्वार खड़ों दि्वज दुर्बल एक, रह्यों चकि सो वसुधा अभिरामा।

अथवा

ये कई प्रलोभन, झुक नहीआँधी तूफाँ में रूका नही,
आजादी का ऐसा सूरज, उजियारा जिसका चुका नही।
वह नीले घोड़े का सवार,वह हल्दीघाटी का जुझार,
वह इतिहासों का अमर पृष्ठ,मेवाड़ शौर्य का वह अंगार।

24. 'माता व पुत्री' की बातचीत को अपने शब्दों में संवाद रूप में लिखिए। 8

अथवा

आपने आठवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली है तथा नौवी कक्षा में प्रवेश लेना चाहते है। अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक जी को स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (टी.सी.) हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

25. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबंध लिखिए– 8

(क) स्वच्छ भारत अभियान

(ख) साक्षरता अभियान

(ग) दूरदर्शन से लाभ–हानियाँ

(घ) हमारा विद्यालय

अथवा

निम्नांकित में से किसी एक पात्र समूह को आधार बनाकर 150 शब्दों में कहानी लिखिए–

(क) मधुमक्खी व चिड़िया

(ख) शेर और चूहा

(ग) रंगा सियार

(घ) बगुला और लोमड़

प्रारम्भिक शिक्षा पुर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा मॉडल प्रश्न पत्र 04
कक्षा–8 (हिन्दी)

समयः 2.5 घण्टे पूर्णांकः 80

निर्देश– सही उत्तर का चयन कीजिए–

1. ''गावो विश्वस्य मातर'' गाय के लिए ये शब्द कहे– 1
   (अ) सम्राट अशोक ने (ब) मुगल शासक अकबर ने
   (स) ऋषि–मुनियों ने (द) राजा दिलीप ने
2. अन्न की अधिष्ठात्री देवी कहा गया है– 1
   (अ) इला को (ब) इल्ली को (स) नष्टार्थी देवी को (द) कृषि विभाग की गोष्ठी को
3. संत कँवरराम का जन्म हुआ था– 1
   (अ) कराची में (ब) क्वेटा में (स) जरवारन में (द) शिकारपुर में
4. श्री कृष्ण राजा थे– 1
   (अ) आगरा के (ब) लखनऊ (स) द्वारिका के (द) अयोध्या के
5. 'शक्ति और क्षमा' कविता में कौन–किसकों समझा रहा है? 1
   (अ) श्री कृष्ण अर्जुन को (ब) श्री कृष्ण युधिष्ठिर को
   (स) भीष्म पितामह युधिष्ठिर को (द) भीष्म पितामह अर्जुन को
6. 'महाराणा प्रताप' कविता में कवि नें प्रताप के स्वाभिमान को बताया है– 1
   (अ) अपार सिंधु–सा (ब) अटल हिमालय सा (स) वन की आग सा (द) चंद्र की किरणों सा
7. 'प्रति' उपसर्ग से बना हुआ शब्द है– 1
   (अ) सपरिवार (ब) प्रत्येक (स) पराजय (द) निर्भय
8. जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, कहलाते हैं– 1
   (अ) क्रिया (ब) विशेष्य (स) अव्यय (द) विशेषण

निर्देश– अतिलूत्तरात्मक प्रश्न :–

9. डॉ. चन्द्रा को कौन–कौनसी उपाधियाँ प्राप्त हुई थी? 2
10. तुलसी महतो के कितने बच्चे थे? नाम लिखिए। 2
11. प्रहलाद को बचाने के लिए हरि ने कौन–सा रूप धारण किया? 2
12. 'भाल पर मल दो, चरण की धूल थोड़ी' से क्या तात्पर्य है? 2
13. 'विषहीन', 'क्षमाशील' की तरह 'हीन' एवं 'शील' जोड़कर दो–दो नए शब्द बनाइए। 2

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

सुमन, चमन

14. 'आई' प्रत्यय जोड़ने से बना है 'मिठाई' इसी प्रकार 'आई' प्रत्यय के योग से दो नए शब्दों का निर्माण कीजिए। 2

अथवा

दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

बच्चा, घोड़ा, संतरा, लड़का

निर्देश– लघूत्तरात्मक प्रश्न :–

15. गोमूत्र के औषधीय उपयोग से ठीक होने वाले रोगों के नाम लिखिए। 4
16. संत कँवरराम को दोनों आगन्तुक क्यों नहीं पहचान पाए? 4

17. 'समर्पण' कविता से मन में क्या भावना जागती है? बताइए। 4

18. खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' में दी गई पंक्तियों का मिलान कीजिए– 4

(खण्ड अ)	(खण्ड ब)
(क) दौलत पाय न कीजिए	– सो पाछे पछताय
(ख) वह मातृभूमि का	– सपने में अभिमान
(ग) हीरा अपनी खानि का	– रखवाला
(घ) बिना बिचारै जो करै	– बार–बार पछताय

19. निम्न लिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए– 4

विशाल, रत्न, मूर्ति, क्षुद्र

अथवा

दिए गए शब्दों से वाक्य रचना कीजिए–

कीमत, मेहमान

20. आप अपने घर एवं मोहल्ले किस प्रकार साफ एवं स्वच्छ रख सकते हैं? 4

21. गाड़ी चलाते समय सीट की बैल्ट (पेटी) बाँधना अनिवार्य क्यों है? 4

निर्देश– निबंधात्मक प्रश्न :–

22. निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 8

मैं चाहती हूँ कि मेरी पंक्तियों को उदास आँखों वाला वह गोरा, उजले वस्त्रों से सज्जित लखनऊ का मेघावी युवक भी पढ़े, जिसे मैंने कुछ माह पूर्व अपनी बहन के यहाँ देखा था। वह आई.ए.एस. की परीक्षा देने इलाहाबाद गया। लौटते समय किसी स्टेशन पर चाय लेने उतरा कि गाड़ी चल पड़ी। चलती ट्रेन में हाथ के कुल्हड़ सहित चढ़ने के प्रयास में गिरा और पहिए के नीचे हाथ पड़ गया। प्राण तो बच गए पर दॉया हाथ चला गया। उसी विच्छिन्न भुजा के साथ–साथ धीरे–धीरे वह मानसिक संतुलन खो बैठा। दुःख भुलाने के लिए नशे की गोलियाँ खाने लगा। केवल एक हाथ खोकर ही उसने हथियार डाल दिए।

(क) मेघावी युवक इलाहाबाद क्यों गया?

(ख) युवक के साथ क्या दुर्घटना घटी?

(ग) दुःख भुलाने के लिए युवक ने क्या रास्ता अपनाया?

(घ) युवक मानसिक संतुलन क्यों खो बैंठा?

23. निम्नांकित में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8

'दौलत पाय न कीजिए, सपने में अभिमान।
चंचल जल दिन चारि को, ठाऊँ न रहत निदान।।
ठाँऊ न रहत निदान, जियत जग में जस लीजै।
मीठे वचन सुनाय, विनय सब ही की कीजै।।
कह गिरधर कविराय, अरे यह सब घट तौलत।
पाहुन निसि दिन चारि, रहत सब ही के दौलत ।।

अथवा

सब विपक्ष में था उसके,
बस, सत्य पक्ष में था उसके,
समझौता उसने नहीं किया
जाने क्या मन में था उसके।

वह सत्यपथी, वह सत्यकृति
वह तेजपुंज, वह महाधृति
वह शौर्यपुंज, भू की थाती,
वह महामानव, वह महाव्रति।

24. 'दुकानदार व ग्राहक' की बातचीत को अपने शब्दों में संवाद रूप में लिखिए। 8

अथवा

स्वयं को नरेश मानते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक जी को एक प्रार्थना पत्र लिखिए, जिसमें आपकी फीस माफी का अनुरोध किया गया हो।

25. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबंध लिखिए– 8

(क) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन
(ख) दहेजः एक अभिशाप
(ग) स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)
(घ) योग का महत्व

अथवा

निम्नांकित में से किसी एक पात्र समूह को आधार मानकर 150 शब्दों मे कहानी लिखिए–

(क) रंगा सियार
(ख) लालची कुत्ता
(ग) एकता में शक्ति
(घ) बगुला और लोमड़